लखनऊ

रविवार, 8 मार्च, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 196

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

"उम्मीद की एक किरण भी टूटे हुए इंसान को जीवन से दोबारा जोड़ने की ताक़त रखती है।"

TODAY WEATHER

DAY 20° Hi

NIGHT 10° Low

संक्षेप

जिंदगी से जिंदगी ही है निजात, बिग बी ने बयां किया रात के सन्नाटे का सुकुन

मुंबई। अभिनेता अमिताभ बच्चन अक्सर अपने पिता हरिवंश राय बच्चन की लिखी कविताओं को अपने भाव के साथ शब्दों के जरिए ब्लॉग में उतारते रहते हैं, लेकिन इस बार उन्होंने अपने बाबूजी से प्रेरित अपने मन के भाव ब्लॉग में उतारे हैं। अभिनेता अमिताभ बच्चन ने रात के सन्नाटे की सुंदरता को खूबसूरती से बयां किया है। उन्होंने अपने ब्लॉग में मुंबई की रात की खास शांति पर दिलचस्प बात लिखी है। उन्होंने ब्लॉग में लिखा कि मुंबई जैसे व्यस्त शहर में भी रात के समय एक अजीब-सी शांति छा जाती है। दिनभर की भागदौड़ के बाद रात में सड़कें खाली हो जाती हैं और चारों तरफ गहरा सन्नाटा सा छा जाता है। उन्होंने लिखा, मुंबई की यह शांति कई लोगों को डरावनी लगती है लेकिन मेरे लिए इसमें एक अलग तरह की हैरानी और खूबसूरती छिपी हुई है। उन्होंने देर रात का किस्सा साझा करते हुए लिखा, अभी मैं यह सब लिख ही रहा था कि एक गाड़ी सड़क के गड्ढे से टकराई और वह सन्नाटा टूट गया। रात 1 बजे अक्सर किसी तेज बाइक के एग्जॉस्ट की आवाज सुनाई देती है। शायद कोई व्यक्ति देर रात काम से लौट रहा हो या नई शिफ्ट के लिए जा रहा हो। ये छोटी-छोटी आवाजें रात की खामोशी को और गहरा बनाती हैं। अमिताभ ने आगे आसमान के रंग की खूबसूरती को अपने शब्दों में बयां किया। उन्होंने लिखा, इन दिनों मुंबई का आसमान पहले से ज्यादा नीला और साफ दिख रहा है। कई दिनों से ऐसा ही चल रहा है। निर्माण कार्यों के दौरान पानी का छिड़काव किया जाता है, जिससे धूल जमीन पर बैठ जाती है और हवा स्वच्छ हो जाती है। बरसात के दिनों में भी प्रदूषण कम हो जाता है क्योंकि बारिश धूल-मिट्टी को धोकर साफ कर देती है। साथ ही, मुंबई समुद्र के किनारे बसा होने से समुद्री हवाएं वातावरण को तरोताजा रखती हैं।

ग्लोबल जीडीपी में भारत को बढ़त, चीन ने कहा- वैश्विक विकास में करीब आधे के हिस्सेदार होंगे दोनों देश

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने हाल ही में वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) को लेकर ग्लोबल रियल जीडीपी ग्रोथ 2026 रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट के अनुसार, चीन और भारत मिलकर जीडीपी में अमेरिका को पछाड़ता हुआ नजर आ रहे हैं। आईएमएफ की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, भारत और चीन अकेले मिलकर विश्व के 43.6 फीसदी जीडीपी ग्रोथ का हिस्सा हैं। इसके अलावा, एशिया-पैसिफिक की हिस्सेदारी कुल ग्रोथ का 50 फीसदी पहुंचने की उम्मीद है। वहीं इस रिपोर्ट में अकेले चीन का जीडीपी ग्रोथ 26.6 फीसदी और भारत का 17 फीसदी आंका गया है। आईएमएफ ने अपनी इस ग्लोबल रिपोर्ट में अमेरिका का 9.9 फीसदी, इंडोनेशिया का 3.8 फीसदी, तुर्किए का 2.2 फीसदी, सऊदी अरब का 1.7 फीसदी, वियतनाम का 1.6 फीसदी, नाइजीरिया का 1.5 फीसदी, ब्राजील का 1.5 फीसदी और जर्मनी का 0.9 फीसदी जीडीपी ग्रोथ का अनुमान लगाया है। वहीं भारत में चीनी दूतावास की प्रवक्ता यू जिंग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म

'जो देश का नागरिक नहीं, उसे बाहर करेंगे', घुसपैठियों को लेकर अमित शाह का राहुल गांधी पर हमला

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तराखंड सरकार के चार साल पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे गृहमंत्री अमित शाह ने पांच लोगों को भारत की नागरिकता के प्रमाणपत्र दिए। वहीं जनसभा को संबोधित करते हुए घुसपैठियों को लेकर अमित शाह ने राहुल गांधी पर हमला किया। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि जो देश का नागरिक नहीं, उसे बाहर किया जाएगा।

गृहमंत्री शाह ने कहा कि घुसपैठ को भारत से बाहर निकालेंगे। केदारनाथ से कन्या कुमारी तक, राहुल बाबा को जितना विरोध करना है करें। उन्हें हर चीज में नकारात्मक दिखती है। नौ साल में भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगा। हरीश रावत पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे। देश से

तुष्टिकरण की राजनीति को समाप्त किया।

समान नागरिक संहिता कानून को लागू करने वाला उत्तराखंड देश में पहला राज्य है। जनसांख्ककीय में अप्राकृतिक वृद्धि को रोकने का काम यूसीसी करेगा। हाईपावर कमेटी बनाने का निर्णय लिया है। जल्द ही यह कमेटी काम करेंगे।

कांग्रेस से हिसाब मांगना चाहिए: शाह

शाह ने कहा कि कांग्रेस से हिसाब मांगना चाहिए। 2014 से 2016 पूंजी निवेश का। एक लाख 87 हजार करोड़ मोदी सरकार ने दिए। 12 हजार करोड़ केदारनाथ बदरीनाथ, गंगोत्री व यमुनोत्री, दिल्ली-देहरादून, 30 राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण किया। 2009 से 2014 तक राज्य का औसत बजट 187 करोड़ था, नौ साल में भाजपा सरकार ने चार हजार 770 करोड़ का बजट पहुंचा। प्रतिव्यक्ति 2014 एक लाख 25हजार रुपये से बढ़ा कर 2.73 लाख किया। जीएसडीपी 3.50 लाख करोड़ किया। भ्रष्टाचार व उत्तराखंड का निर्माण का विरोध करने वाली कांग्रेस है। चारधाम यात्रा में तीर्थयात्रियों में तीन गुना की बढ़ोतरी हुई।

अमित शाह बोले- तीसरा मौका दें

उत्तराखंड को कांग्रेस राहुल के नेतृत्व में बिखरी चुकी है। संसद में हो हल्ला करती है। संसद न चलाने की नीति बनाई है। 2027 में त्रिवेंद्र सिंह व धामी सरकार ने उत्तराखंड की सेवा की है। तीसरी मौका दें। देवभूमि को एक नंबर पर ले जाएंगे।

JDU में निशांत संभालेंगे बड़ी जिम्मेदारी, पार्टी नेताओं के साथ की बड़ी बैठक

पटना, एजेंसी। बिहार के मौजूदा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार ने शनिवार को जनता दल (यूनाइटेड) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा के आवास पर वरिष्ठ पार्टी नेताओं और युवा विधायकों के साथ बैठक की। जेडीयू ने पुष्टि की है कि निशांत कुमार रविवार को आधिकारिक तौर पर पार्टी में शामिल होंगे। जेडीयू नेताओं ने आज पार्टी की भावी रणनीति और पार्टी प्रमुख नीतीश कुमार के राज्यसभा सीट के साथ केंद्र में वापसी करने के ऐतिहासिक कदम के बाद आगे बढ़ने के सर्वोत्तम तरीकों पर चर्चा की। निशांत के पार्टी में शामिल होने का समय उनके पिता द्वारा किए गए एक बड़े बदलाव से सीधा जुड़ा है। गुरुवार, 5 मार्च को नीतीश कुमार ने राज्यसभा के लिए अपना नामांकन दाखिल किया, जिससे मुख्यमंत्री के रूप में उनके रिकॉर्ड तोड़ कार्यकाल का अंत हो गया।

केशव प्रसाद मौर्य के हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग, भरा चॉपर में धुआं

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की शनिवार को बाल-बाल जान बची। कौशांबी जाते समय अचानक आई खराबी के कारण उनके हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। जानकारी के अनुसार, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का हेलीकॉप्टर लखनऊ के ला मार्ट ग्राउंड से कौशांबी के लिए उड़ान भर रहा था। तभी अचानक तकनीकी खराबी आई। इसके चलते हेलीकॉप्टर को आपात स्थिति में लखनऊ एयरपोर्ट पर नीचे उतारा गया। सूत्रों ने दावा किया है कि हेलीकॉप्टर में अचानक धुआं भर गया, इसलिए इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी। हालांकि, हेलीकॉप्टर में सवार सभी लोग सुरक्षित हैं। सुरक्षा कारणों से

हेलीकॉप्टर की पूरी जांच हो रही है। वहीं, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सड़क मार्ग से कौशांबी जाने का निर्णय लिया है।

केशव प्रसाद मौर्य का शनिवार को लगभग साढ़े 11 बजे कौशांबी पहुंचने के कार्यक्रम था। उपमुख्यमंत्री के कार्यालय के अनुसार, कौशांबी के सराया में मां शीतला देवी अतिथि गृह के 'सरस महोत्सव' के उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल होंगे।

इसके बाद वे जनप्रतिनिधि और पार्टी पदाधिकारियों से संवाद करेंगे। वहीं, उपमुख्यमंत्री अपने दौरे के बीच कौशांबी में विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे और विभिन्न परियोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण भी करेंगे।

एलपीजी प्राइस हाइक पर पवन खेड़ा का हमला, बोले- 'हरदीप सिंह पुरी की बातों पर विश्वास न करें'

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के मीडिया एवं प्रचार विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा ने शनिवार को एलपीजी सिलेंडरों की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी की कड़ी आलोचना की। घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की कीमतें शनिवार, 7 मार्च से बढ़ा दी गई हैं। देश भर में 14.2 किलोग्राम के घरेलू खाना पकाने वाले गैस सिलेंडर की कीमत में 60 रुपये की वृद्धि हुई है, और 19 किलोग्राम के व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत में भी 115 रुपये की वृद्धि हुई है।

पवन खेड़ा ने फेसबुक पर लिखा कि कल, हरदीप सिंह पुरी ने कहा थाः 'हमारी प्राथमिकता अपने नागरिकों के लिए किफायती और टिकाऊ ईंधन की उपलब्धता सुनिश्चित करना है, और हम इसे आसानी से कर रहे हैं।' आज,

घरेलू एलपीजी की कीमतों में 60 रुपये और व्यावसायिक सिलेंडरों की कीमतों में 115 रुपये की वृद्धि हुई है। हरदीप सिंह पुरी की किसी भी बात पर विश्वास न करें। खेड़ा की ये टिप्पणी केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी के उस बयान के जवाब में आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत में ऊर्जा की कोई कमी नहीं है और पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बीच ऊर्जा उपभोक्ताओं को चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है।

केंद्रीय मंत्री ने शुक्रवार को X पर पोस्ट किया कि हमारी प्राथमिकता अपने नागरिकों के लिए किफायती और टिकाऊ ईंधन की उपलब्धता सुनिश्चित करना है, और हम इसे बखूबी कर रहे हैं। भारत में ऊर्जा की कोई कमी नहीं है, और हमारे ऊर्जा उपभोक्ताओं को चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। इस बीच, सूत्रों के अनुसार, दिल्ली में 14.2 किलोग्राम के घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत 853 रुपये से बढ़कर 913 रुपये हो गई है। मुंबई में घरेलू एलपीजी सिलेंडर की नई दर 852.50 रुपये से बढ़कर 912.50 रुपये हो गई है। कोलकाता में कीमत 879 रुपये से बढ़कर 0.30 रुपये हो गई है, जबकि चेन्नई में यह 868.50 रुपये से बढ़कर 928.50 रुपये हो गई है। संशोधित दरें आज से तुरंत प्रभाव से लागू हो जाएंगी।

यह बढ़ोतरी व्यावसायिक उपयोग वाले एलपीजी सिलेंडरों पर भी लागू होती है। दिल्ली में 19 किलोग्राम के व्यावसायिक सिलेंडर की कीमत 1768.50 रुपये से बढ़कर 1883 रुपये हो गई है। मुंबई में यह कीमत 1720.50 रुपये से बढ़कर 1835 रुपये हो गई है। इसी तरह, कोलकाता में यह कीमत 1875.50 रुपये से बढ़कर 1990 रुपये हो गई है, जबकि चेन्नई में यह 1929 रुपये से बढ़कर 2043.50 रुपये हो गई है। इससे पहले, घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत अप्रैल 2025 से अपरिवर्तित थी, जब दिल्ली में गैर-सब्सिडी वाली दर 853 रुपये थी। नवीनतम संशोधन घरेलू उपभोक्ताओं के साथ-साथ उन व्यावसायिक उपयोगकर्ताओं के लिए भी एक महत्वपूर्ण वृद्धि है जो दैनिक कार्यों के लिए एलपीजी पर निर्भर हैं।

उत्तर प्रदेश एसआईआर पर बड़ा अपडेट, 10 अप्रैल को आएगी फाइनल वोटर लिस्ट, 84 लाख से अधिक लोगों ने भरे

आर्यावर्त क्रांति

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 2027 में विधानसभा चुनाव है। उससे पहले प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रकिया चल रही है। इस बीच शनिवार को यूपी SIR को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। चुनाव आयोग के मुताबिक, प्रदेश की फाइनल वोटर लिस्ट 10 अप्रैल को जारी कर दी जाएगी। इससे पहले अब तक 86 लाख से अधिक लोगों ने मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए फॉर्म-6 भरा है, जबकि 3 लाख से ज्यादा लोगों ने अपना नाम हटवाने के लिए फॉर्म-7 जमा किया है। चुनाव आयोग के मुताबिक, पिछले करीब पिछले 24 घंटे के दौरान भी बड़ी संख्या में आवेदन आए हैं। इस दौरान 1166 लाख लोगों ने फॉर्म-6 भरकर मतदाता सूची में नाम शामिल कराने का आवेदन किया, जबकि 7,329 लोगों ने फॉर्म-7 के जरिए अपना नाम हटाने की मांग की। शुक्रवार को दावे और आपत्तियां दाखिल करने की अंतिम तिथि समाप्त हो गई। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा के अनुसार 6 जनवरी को ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी होने के बाद से 6 मार्च तक 70,69,810 लोगों ने फॉर्म-6 भरकर नाम जुड़वाने के लिए आवेदन किया। वहीं 2,642 लोगों ने फॉर्म-6 (ए) भरा है। इसी अवधि के दौरान 2,68,682 लाख लोगों ने फॉर्म-7 भरकर मतदाता सूची से अपना नाम हटाने का आवेदन किया है। चुनाव आयोग के मुताबिक, ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी होने से पहले भी बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त हुए थे। इस दौरान 16,18,574 लोगों ने मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए आवेदन किया, जबकि 49,399 लोगों ने अपना नाम हटाने के लिए आवेदन दिया था।

जुल्म-नाइंसाफी और दबदबा... जंग के बीच ईरानी राजदूत बोले- जीत हासिल करेंगे या शहादत तक पहुंचेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। इज़राइल-US हमलों पर, भारत में ईरान के राजदूत, मोहम्मद फतहली ने कहा, "...हम, ईरान के लोग, साफ तौर पर कहते हैं कि इस रास्ते पर हम या तो जीत हासिल करेंगे या शहादत तक पहुंचेंगे। हमारे लिए, दोनों ही सम्मान और खुशी हैं।" 28 फरवरी को ईरान पर अमेरिकी और इजराइली हमलों के बाद शुरू हुई ये जंग बढ़ती ही जा रही है। ईरान पर हो रही अमेरिका और इजराइली बमबारी में अब तक एक हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। जवाब में ईरानी हमलों में दर्जनों लोगों के मरने की खबर है।

मोहम्मद फतहली ने कहा, "आज जो हो रहा है, वह सिर्फ एक पॉलिटिकल या मिलिट्री लड़ाई नहीं है। यह स्ट्राइक सच और झूठ के बीच स्ट्राइक का ही एक हिस्सा है। एक तरफ इंसानी इज्जत, इंसाफ और देशों

के आजादी से जीने का हक है। दूसरी तरफ ज़ुल्म, नाइंसाफी और दबदबा है। ईरान के खिलाफ US और इजराइली सरकार का बेरहम मिलिट्री हमला इस नाइंसाफी का साफ उदाहरण है।"

इजराइल-अमेरिका और ईरान जंगल अब दूसरे हफ्ते में दाखिल हो गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान को बिना शर्त सरेंडर करने की चेतावनी दी है। वहीं ईरान ने साफ किया है कि उसपर हमा करने के दुश्मनों को बुरे परिणाम झेलने होंगे। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने गुरुवार को कहा कि उनका देश अमेरिकी सैनिकों के जमीनी हमले के लिए तैयार है। उन्होंने अमेरिका के साथ किसी भी बातचीत से भी मना कर दिया और कहा कि ईरान ने सीजफायर के लिए नहीं कहा है। शुक्रवार की रात को इजराइल ने ईरान के तहरान समेत कई जग भीषण हमले किए। हालांकि पूरी हताहतों की जानकारी अभी नहीं है, लेकिन हमले के बाद आई फुटेज में धुंए का बड़ा गुबार कई जगह देखा जा सकता है। इन हमलों में तेहरान के एयरपोर्ट को भारी नुकसान की खबर है। इजराइल ने शनिवार को UAE पर कई हमले किए, जिनमें अधिकतर को नाकाम कर दिया गया। हालांकि एक ड्रोन सीधे दुबई एयरपोर्ट पर गिरा। इसके अलावा अबू-धाबी में भी धमाकों की आवाज सुनी गई है। जिसके बाद दुबई ने कई उड़ानों में देरी की है।

'निशांत के नाम का सुझाव मैंने दिया', नीतीश कुमार से मुलाकात के बाद बोले उपेंद्र कुशवाहा

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रमुख और पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा ने बड़ा बयान दिया है। उपेंद्र कुशवाहा ने शनिवार को पटना में कहा कि निशांत कुमार को राजनीति में आना चाहिए। यह सुझाव सबसे पहले नीतीश कुमार को उन्होंने ही दिया था। उपेंद्र कुशवाहा ने यह बातें शनिवार को नीतीश कुमार से उनके सरकारी आवास पर मुलाकात करने के बाद मीडिया से कहीं।

उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि सीएम नीतीश कुमार से मुलाकात अस्वाभाविक नहीं बल्कि स्वाभाविक है। एनडीए गठबंधन है। राज्यसभा का चुनाव होना है। मुख्यमंत्री भी उम्मीदवार हैं और मैं भी उम्मीदवार हूं। पांच उम्मीदवार एनडीए गठबंधन की तरफ से हैं। मुख्यमंत्री से मुलाकात होती रहती है। उनका आशीर्वाद जाकर लेते रहते हैं। इसी क्रम में मुलाकात थी। इस मुलाकात को अलग नजरिए से देखने की जरूरत नहीं है। सीएम को राज्यसभा जाने के फैसले पर उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार ने खुद इस बात का फैसला लिया है। इस पर टिप्पणी नहीं की जा सकती है। नाराजगी की अलग बात है लेकिन मुझे लगता है कि बिहार के लोगों के मन में उदासीपन है। लोगों को थोड़ा कष्ट पहुंचा है। बीते दिनों तक मुख्यमंत्री ने बिहार में रहकर के बिहार की सेवा की है। अब भी बिहार के सेवा करेंगे लेकिन दिल्ली रह करके करेंगे। स्वाभाविक रूप से लोगों को ऐसा लग रहा है कि सीएम दिल्ली जा रहे हैं। इसलिए उनमें उदासी है, लेकिन जो निर्णय नीतीश कुमार का है, वह निर्णय है।

'भविष्य में दुनिया अधिक बहुध्रुवीय होगी': रायसीना डायलॉग में जयशंकर बोले- नई दुनिया में संतुलन ही शक्ति बनेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को बदलती दुनिया की ताकत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अब कोई भी देश हर क्षेत्र में हावी नहीं रह सकता, बल्कि भविष्य में दुनिया बहुध्रुवीय होगी, जहां हर क्षेत्र और हर देश की ताकत मायने रखेगी। उन्होंने कहा कि बड़े समझौते और वैश्विक दबदबे का दौर समाप्त हो चुका है। जयशंकर ने यह बात रायसीना डायलॉग में एक इंटरैक्टिव सत्र के दौरान कही। इस दौरान उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि अब नई दुनिया में हर राष्ट्र को योगदान देने का मौका मिलेगा और संतुलन ही नई शक्ति बनेगी।

जयशंकर ने आगे कहा कि आज कोई भी देश इतना शक्तिशाली नहीं है कि वह दुनिया के हर क्षेत्र में प्रभुत्व रख

सके। इसलिए आने वाला समय कई देशों के योगदान और ताकत के आधार पर विकसित होगा। विदेश मंत्री ने कहा कि कुछ बड़े देश कभी-कभी सीमित मुद्दों पर अस्थायी समझौते कर सकते हैं, लेकिन अब कोई ऐसा बड़ा 'संपूर्ण सौदा' नहीं होगा जिसे बाकी दुनिया को मानना पड़े। वह दौर समाप्त हो चुका है। जयशंकर ने यह भी स्पष्ट किया कि बहुध्रुवीयता और बहुपक्षीयता में विरोधाभास नहीं है। उन्होंने कहा कि बहुपक्षीय संस्थाओं की सफलता इस बात पर निर्भर नहीं करनी चाहिए कि बहुध्रुवीयता कमजोर हो।

इस दौरान जयशंकर ने भारत द्वारा पिछले तीन वर्षों से 'वॉइस ऑफ ग्लोबल साउथ' की मेजबानी का जिक्र भी किया। उन्होंने कहा कि अब ग्लोबल साउथ देशों के लिए नए प्लेटफॉर्म की जरूरत है। जयशंकर ने दोहराया कि बड़े देशों द्वारा अपनी शक्ति दिखाकर क्षेत्रीय या वैश्विक प्रभाव बनाना और बड़े व्यापक समझौते करना अब संभव नहीं है। दुनिया अब बहुध्रुवीय और संतुलित बनने जा रही है।

जयशंकर ने श्रीलंका-भूटान के साथ की द्विपक्षीय बैठकें

इसके साथ ही भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को श्रीलंका और भूटान के विदेश मंत्रियों के साथ अलग-अलग द्विपक्षीय बैठकें कीं। इन बैठकों में उन्होंने भारत और इन पड़ोसी देशों के बीच सहयोग को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। जयशंकर ने भूटान के विदेश मंत्री ल्योनपो डी.एन. धुंग्येल से मुलाकात के बाद कहा कि भारत भूटान के साथ अपनी विशेष साझेदारी को और गहरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

पड़ोस पहले की नीति पर जोर

वहीं, श्रीलंका के विदेश मंत्री विजिता हेराथ के साथ बातचीत में उन्होंने द्विपक्षीय रिश्तों और क्षेत्रीय मामलों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि भारत की 'पड़ोस पहले' और 'विजन महासागर' नीति इनके प्रयासों का मार्गदर्शन करती है। इसके साथ ही रायसीना डायलॉग के दौरान जयशंकर ने सेशेल्स, रवांडा और केन्या के विदेश मंत्रियों से भी मुलाकात की।

रवांडा के विदेश मंत्री के साथ उन्होंने आर्थिक और डिजिटल सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की, जबकि केन्या के विदेश सचिव से भारत और केन्या के संबंधों के पूरे संभावित विकास पर बातचीत हुई। जयशंकर ने सेशेल्स के विदेश मंत्री बैरी फॉरे से हाल ही में राष्ट्रपति की यात्रा के फॉलो-अप पर भी चर्चा की।

क्या होता रायसीना डाललॉग, यहां समझिए

गौरतलब है कि रायसीना डायलॉग, जिसे ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन और विदेश मंत्रालय मिलकर आयोजित करते हैं, भारत का प्रमुख सम्मेलन है जहां वैश्विक नेता, नीति निर्माता, उद्योग विशेषज्ञ और शिक्षाविद इकट्ठा होकर भू-राजनीति और आर्थिक मामलों पर विचार-विमर्श करते हैं। इस साल इसका 11वां संस्करण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में उद्घाटित किया गया।

ईरान संघर्ष से भारत को होगा बड़ा आर्थिक नुकसान: प्रियंका चतुर्वेदी

नई दिल्ली, एजेंसी। शिवसेना यूबीटी सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच जारी संघर्ष को लेकर कहा कि दुनियाभर में भारी नुकसान हो रहा है। भारत का नुकसान इसलिए है, क्योंकि हमारी जो इनर्जी सिक्योरिटी है वो इंपोर्ट होती है। उन्होंने कहा कि ईरान में लगातार संघर्ष जारी है। इससे उपजी आर्थिक चुनौतियों का सामना सभी को करना पड़ेगा, लेकिन भारत में इसका इंपैक्ट ज्यादा होगा। जरूरी है कि संघर्ष पर लगाम लगाने के लिए भारत बोले। एसआईआर के खिलाफ ममता बनर्जी के धरना प्रदर्शन को लेकर प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि ममता बनर्जी की लड़ाई सिर्फ पश्चिम बंगाल तक सीमित नहीं है। हर चुनावी राज्य में एसआईआर की आड़ में ये लोग मतदाताओं के अधिकारों का हनन कर रहे हैं।

गर्दन, चेहरा, पीठ और पेट पर 40 से अधिक वार, हार्दिक ने चाकू से गोद डाला शरीर, जान बचाने को दौड़ी हिमशिखा

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद. उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले से सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां इंजीनियर से यूट्यबर बने एक युवक ने बहन की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। इसके बाद आरोपी ने मां पर भी जानलेवा हमला किया। घायल मां अस्पताल में भर्ती है। मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की पड़ताल की तो आस-पड़ोस के लोगों ने बताया कि भाई बहन ने गुरुग्राम से आकर अपनी मां के साथ होली का त्योहार बड़ी धूमधाम के साथ मनाया था।

शुक्रवार को दोनों वापस जाने की तैयारी कर चुके थे। हिमशिखा ने बैग पैक कर लिया था और मां के घर लौटने का इंतजार कर रही थी। दोपहर करीब डेढ़ बजे हार्दिक रसोई में गया और चाकू लेकर बहन पर हमला कर दिया।

शव के पास ही मिला खून से सना चाकू

शव देखकर लग रहा था कि चालीस से ज्यादा वार किए गए हैं। रसोई, दोनों कमरे और घर के आंगन में भी खून पड़ा मिला। इससे साफ है कि हिमशिखा अपनी जान बचाने के लिए दौड़ी है। शव के पास ही खून से सना चाकू भी मिला है।

होली के लिए नए कपड़े भी लेकर आए थे दोनों

मझोला के बुद्धि विहार सेक्टर दो में रहने वाली नीलिमा का बेटा हार्दिक और बेटी हिमशिखा होली मनाने के लिए घर आए थे। नीलिमा का कहना है दोनों खुश थे। कहीं कुछ ऐसा नहीं लगा कि जिससे दोनों के बीच किसी प्रकार की अनबन दिखे। दोनों ही होली के लिए नए कपड़े भी लेकर आए थे।

जान बचाने के लिए हिमशिखा ने किया संघर्ष

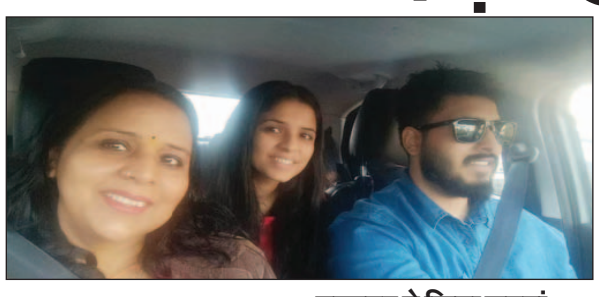

शुक्रवार को ही भाई बहन को वापस जाना था। हिमशिखा का पैक बैग बरामदे में मिला है जबकि उसके पास ही जूते भी पड़े मिले हैं। बरामदे, रसोई और कमरे और बेड पर खून पड़ा मिला है। घटनास्थल के हालात को देखकर लग रहा है कि हिमशिखा ने अपनी जान बचाने को संघर्ष किया है।

गर्दन, चेहरा, पीठ और पेट पर 40 से ज्यादा वार

आरोपी ने युवती की गर्दन, चेहरे, पीठ, पेट पर 40 से ज्यादा वार किए हैं। हैरानी की बात है कि युवती की चीखने चिल्लाने की किसी ने आवाज तक नहीं सुनी। बहन की हत्या करने के बाद हार्दिक अपनी मां को दफ्तर से लेने गया है। घर लाकर उस पर भी हमला कर दिया। अगर शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग इकट्ठा न होते तो हार्दिक अपनी मां की भी हत्या कर देता।

आस पड़ोस के लोगों से ज्यादा बात नहीं करता था परिवार

घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आस पड़ोस के लोगों से बातचीत की। उन्होंने बताया कि नीलिमा यहां अकेली रहती थी। उनका बेटा और बेटी गुरुग्राम में रहते थे। नीलिमा सुबह दफ्तर चली जाती थी और शाम को ही वापस आती थी। परिवार आस पड़ोस के लोगों से ज्यादा बातचीत नहीं करता था।

यूट्यूबर ने किया जुड़वां बहन का कत्ल, मां पर जानलेवा हमला

होली पर घर आए इंजीनियर ने अपनी जुड़वां बहन हिमशिखा (25) की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। दोनों भाई बहन गुरुग्राम में एक ही मकान में रहते थे और तीन मार्च को दोनों साथ में होली का त्योहार मनाने आए थे। हिमशिखा एक आईटी कंपनी में असिस्टेंट मैनेजर थी जबकि आरोपी भाई हार्दिक (25) पहले गूगल में काम करता था लेकिन एक साल पहले उसने नौकरी छोड़ दी थी और यूट्यूबर बन गया था। शुक्रवार को दोनों वापस जाने की तैयारी कर रहे थे। इसी दौरान उनके बीच विवाद हो गया।

दूसरे समुदाय की लड़की से शादी करना चाहता था हार्दिक

हार्दिक अपनी मां की भी हत्या करना चाहता था इसलिए वह उन्हें बहाना बनाकर उनके ऑफिस से घर ले आया और हमला कर दिया। शोर-शराबा सुनकर आस-पड़ोस के लोग इकट्ठा हुए तो वह कार लेकर भाग गया। घटना के मूल में बताया जा रहा है कि हार्दिक पुणे निवासी एक दूसरे समुदाय की लड़की से शादी करना चाहता था लेकिन उसकी मां और बहन तैयार नहीं थीं।

गुरुग्राम में रह रहे थे जुड़वां बेटे और बेटी

एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि बदायूं जिले के सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के जोगीपुरा निवासी नीलिमा अपने पति के साथ 1990 में मुरादाबाद आकर बस गई थीं। अभी करीब दो साल से वह बुद्धि विहार सेक्टर दो में गणेश पार्क के सामने किराये के मकान में रह रहीं थीं। उनके जुड़वां बेटे और बेटी हरियाणा के गुरुग्राम में रह रहे थे।

आईटी कंपनी में असिस्टेंट मैनेजर के पद पर तैनात थी हिमशिखा

बेटी हिमशिखा बीबीए करने के बाद आईटी कंपनी में असिस्टेंट मैनेजर के पद पर तैनात थी और एमबीए कर रही थी, जबकि बेटा हार्दिक बीटेक करने के बाद पहले गूगल में नौकरी करता था लेकिन एक साल से वह नौकरी छोड़ने के बाद यूट्यूबर हो गया था। घायल नीलिमा ने पुलिस को बताया कि होली से एक दिन पहले ही भाई बहन घर आए थे।

अपनी मां व बहन से नाराज था हार्दिक

हार्दिक पुणे निवासी दूसरे समुदाय की एक लड़की से प्रेम करता है और उससे शादी करना चाहता था। नीलिमा और उसकी बेटी हार्दिक की शादी के लिए तैयार नहीं थीं। इसी बात को लेकर हार्दिक अपनी मां व बहन से नाराज था।

शुक्रवार को बहन-भाई को हरियाणा वापस जाना था, लेकिन मां के ऑफिस से वापस लौटने से पहले ही हार्दिक ने चाकू से गोदकर बहन हिमशिखा की हत्या कर दी। उसकी गर्दन, चेहरे और शरीर पर चाकू से हमले किए और कंबल में उसका शव बांध दिया।

कंबल में बांध दिया बहन का शव

इसके बाद गेट बाहर से बंद कर दिया और मां को लेने ऑफिस पहुंच गया। उसने मां से कहा कि उन्हें हरियाणा अभी जाना है, इसलिए घर चलो। वह अपनी मां को ऑफिस से घर ले आया। बेटी की हत्या से अंजान मां ने जैसे ही घर में कदम रखा तो हार्दिक ने गेट बंद कर लिया। आंगन में कंबल में लिपटे बेटी के शव को देखकर नीलिमा की चीख निकल गई। इसी दौरान हार्दिक ने अपनी मां पर भी चाकू से हमला कर दिया।

शोर होने पर आस पड़ोस के लोग आए तो आरोपी घर के बाहर खड़ी कार में बैठकर भाग गया। लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और मां-बेटी को जिला अस्पताल भिजवा दिया। जहां डॉक्टरों ने हिमशिखा को मृत घोषित कर दिया। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि आरोपी की तलाश की जा रही है। घायल महिला का जिला अस्पताल में उपचार चल रह है।

बहन की हत्या करने के बाद दिल्ली की तरफ भागा आरोपी

बहन की हत्या और मां पर जानलेवा हमला करने के बाद आरोपी हार्दिक दिल्ली की ओर भागा है। घटना की जानकारी मिलने के बाद मझोला थाने की पुलिस ने अमरोहा पुलिस से संपर्क किया और जोया टोल चेक कराया। वहां से सीसीटीवी कैमरों की फुटेज से पता चला कि आरोपी पुलिस के पहुंचने से पहले ही निकल चुका था। इसके बाद पुलिस ने गढ़मुक्तेश्वर वाले टोल पर देखा लेकिन वहां से भी निकल गया, गढ़मुक्तेश्वर के बाद उसका पता नहीं चल पाया है।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में डीएम-एसपी ने सुनीं फरियादियों की समस्याएं

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। तहसील सदर में शनिवार को आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान जिलाधिकारी कुमार हर्ष और पुलिस अधीक्षक चारू निगम ने फरियादियों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान प्राप्त कई शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया, जबकि अन्य मामलों को संबंधित विभागों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण समाधान के निर्देश दिए गए।सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान सबसे अधिक शिकायतें जमीनी विवाद से जुड़ी सामने आईं। डीएम और एसपी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ऐसे सभी मामलों में पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम मौके पर जाकर जांच करे और त्वरित व निष्पक्ष निस्तारण सुनिश्चित करे, ताकि फरियादियों को अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। अधिकारियों ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक माह के प्रथम और तृतीय शनिवार को जनपद की सभी तहसीलों में राजस्व व पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया जाता है, जिससे जनता की शिकायतों का प्रभावी समाधान किया जा सके।पुलिस अधीक्षक चारू निगम ने सुरक्षा और कानून-व्यवस्था से जुड़ी शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी मामलों की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।सम्पूर्ण समाधान दिवस में विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे और फरियादियों की समस्याओं को सुनकर उनके समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाए गए।

जल जीवन मिशन की टंकी तीन साल बाद भी अधूरी, सड़क तोड़कर छोड़ दिया गया

कार्यकरौंदीकला/सुल्तानपुर। ग्राम पंचायत कम्मरपुर में विकास खंड करौंदी कला के अंतर्गत जल जीवन मिशन योजना के तहत बनाई जा रही पानी की टंकी का कार्य तीन वर्ष बीत जाने के बाद भी अधूरा पड़ा है। करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद टंकी का निर्माण पूर्ण नहीं हो सका है। गांव के अधिकांश घरों तक अभी तक पानी की सप्लाई नहीं पहुंच पाई है। न तो सभी जगह पानी की टोटी लगाई गई और न ही पाइपलाइन पूरी तरह जुड़ सकी। ग्रामीणों का कहना है कि निर्माण कार्य के दौरान सड़कें तोड़ दी गई थीं, लेकिन बाद में उन्हें वैसे ही छोड़ दिया गया। इससे लोगों को आवागमन में भारी परेशानी हो रही है। बरसात के समय जगह-जगह जलभराव की स्थिति बन जाती है। ग्रामीणों ने प्रशासन से इस पर जल्द कार्रवाई करने और अधूरे कार्य को पूरा कराने की मांग की है, ताकि गांव के प्रत्येक घर तक स्वच्छ पेयजल की सुविधा पहुंच सके।

संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटका मिला महिला का शव

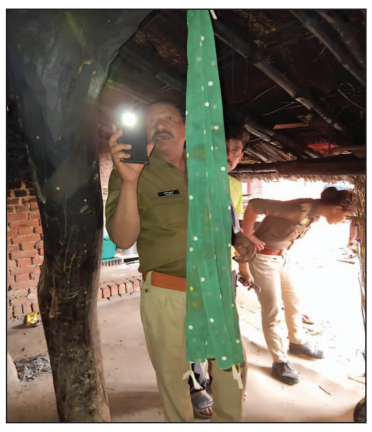

आर्यावर्त संवाददाता

कूरेभार/सुलतानपुर। स्थानीय थाना क्षेत्र के सरैया मझौवा गांव में एक 46 वर्षीय महिला का शव संदिग्ध परिस्थितियों में घर के अंदर फांसी के फंदे से लटका मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही गांव में हड़कंप मच गया।बताया जा रहा है कि महिला का शव छप्परयुक्त मकान के अंदर फांसी के फंदे से झूलता हुआ पाया गया। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए डॉग स्क्वॉड की टीम को भी बुलाया गया, जो घटना से जुड़े तथ्यों की जांच में जुटी रही। प्रथम दृष्टया प्राप्त जानकारी के अनुसार मामला आत्महत्या से जुड़ा बताया जा रहा है। हालांकि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है। थाना प्रभारी कूरेभार ने बताया कि शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही घटना के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल पुलिस मामले में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

दूल्हे ने बीच में ही रुकवाई सगाई, की ऐसी डिमांड... दुल्हन ने सास-ननद को भी सिखाया सबक

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

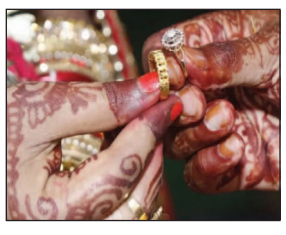

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र में दहेज की मांग से परेशान होकर युवती ने शादी से ही इनकार कर दिया। दरअसल, यहां सगाई समारोह के दौरान लड़के वालों की तरफ से दहेज की अतिरिक्त मांग की जा रही थी। इससे परेशान होकर वधू ने साहस दिखाते हुए शादी से इनकार कर दिया। युवती ने कहा कि वो दहेज लोभियों के घर शादी नहीं करेगी। पूरे मामले में कोतवाली राबर्ट्सगंज में लिखित शिकायत दी गई है और पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

मामला राबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र का है। आरोप है कि सगाई समारोह के दौरान वर पक्ष ने कार्यक्रम रुकवाकर अतिरिक्त दो लाख रुपये की मांग कर दी। इससे पहले भी गहने बनवाने के नाम पर चार लाख रुपये लिए जाने का आरोप लगाया गया। वधू पक्ष का कहना है कि जब तत्काल रुपये देने में असमर्थता जताई गई तो वर पक्ष के लोगों ने अभद्रता की और विवाद की स्थिति बन गई। दहेज की इस मांग से आहत युवती ने साफ शब्दों में ऐसे परिवार में शादी करने से इनकार कर दिया। पूरे मामले में कोतवाली राबर्ट्सगंज में लिखित शिकायत दी गई है और पुलिस मामले की जांच में जुटी है। दरअसल, राबर्ट्सगंज कस्बे के विकास नगर निवासी गोपाल मौर्य के पुत्र विनय मौर्य की शादी राबर्ट्सगंज की रहने वाली एक युवती से तय हुई थी। आरोप है कि शादी की बातचीत के दौरान गहने बनवाने के नाम पर लड़की पक्ष से चार लाख रुपये नगद लिए गए थे और उसी के अनुसार छह मार्च को सगाई की तारीख तय की गई थी। तय कार्यक्रम के अनुसार राबर्ट्सगंज स्थित एक पैलेस में सगाई समारोह का आयोजन किया गया था, जहां मेहमानों की मौजूदगी में कार्यक्रम चल रहा था।

आरोप है कि इसी दौरान वर पक्ष की मां, बहन और लड़के ने लड़की के पिता को अलग कमरे में बुलाकर सगाई आगे बढ़ाने से पहले तत्काल दो लाख रुपये और देने की मांग कर दी। लड़की पक्ष की ओर से तत्काल रुपये देने में असमर्थता जताई गई और बाद में देने की बात कही। लेकिन इस पर वर पक्ष के लोग नाराज हो गए और अभद्रता करने लगे। इसी घटनाक्रम के बीच युवती ने दहेज की मांग से आहत होकर मौके पर ही रिश्ते से इनकार कर दिया और स्पष्ट कर दिया कि वह ऐसे दहेज लोभियों के घर शादी नहीं करेगी। मामले में लड़की पक्ष की ओर से कोतवाली राबर्ट्सगंज में लिखित तहरीर दी गई है। वहीं पुलिस का कहना है कि दोनों पक्षों को बुलाकर बातचीत कराई जा रही है और पूरे प्रकरण की जांच की जा रही है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दो अक्षर के जाप से मिलती है जीवन में मुक्ति - कथा व्यास ज्ञानेंद्र

बल्दीराय/सुलतानपुर। जीवन में दो अक्षरों के नाम का जाप करने से मनुष्य को भवसागर से मुक्ति मिलती है। मनुष्य मृत्यु के समय जिस विषय का चिंतन करता है, अगले जन्म में उसे उसी योनि की प्राप्ति होती है। संतों का मिलना भी भगवान की कृपा से ही संभव होता है और हर किसी के मुख से परमात्मा का नाम निकलना भी ईश्वर की विशेष कृपा का परिणाम है। यह बातें कथा व्यास पंडित ज्ञानेंद्र तिवारी ने बल्दीराय बाजार स्थित रामलीला मैदान में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन कही। तृतीय दिवस की कथा में कथा व्यास ने राजा उत्तानपाद, बालक ध्रुव, भक्त प्रह्लाद और भक्त अजामिल की कथा का विस्तृत वर्णन किया। उन्होंने कहा कि ईश्वर के नाम का स्मरण ही मनुष्य के लिए मोक्ष का सबसे सरल साधन है। इस संसार में जो व्यक्ति माता-पिता, गुरु और सास-ससुर की सेवा करता है, वह कभी नरक का भागी नहीं बनता।उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक घर के आंगन में तुलसी का एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए।

एलपीजी बुकिंग के नियमों में बड़ा बदलाव, अब 21 दिन से पहले नहीं बुक होगा गैस सिलिंडर, सीएनजी-पीएनजी पर भी असर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

कानपुर। वैश्विक युद्ध और तेजी से बदल रहे हालात का असर अब रसोई तक पहुंचने लगा है। गैस कंपनियों ने घरेलू एलपीजी सिलिंडर की बुकिंग के नियमों में बदलाव करते हुए अंतिम डिलीवरी के बाद अगली बुकिंग के लिए 21 दिन का अंतराल अनिवार्य कर दिया है। अभी तक यह सिर्फ 15 दिन का था। इसका सीधा असर जिले के करीब 13 लाख घरेलू गैस उपभोक्ताओं पर पड़ेगा।

नियम बदलने के बाद अब उपभोक्ताओं को छह दिन अधिक इंतजार करना पड़ेगा। गैस कंपनियों का तर्क है कि वैश्विक युद्ध और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गैस सप्लाई चेन पर बढ़ते दबाव के कारण यह फैसला अस्थायी तौर पर लिया गया है। वैश्विक हालात सामान्य होने पर इसमें बदलाव किया जा सकता है।

घरेलू बजट और रसोई की व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका

एलपीजी वितरक संगठन के संरक्षक भारतीष मिश्रा ने बताया कि इसका उद्देश्य सीमित आपूर्ति के बीच सभी उपभोक्ताओं तक गैस की उपलब्धता सुनिश्चित करना और घरेलू जरूरतों को प्राथमिकता देना है। इस फैसले से शहर के उपभोक्ताओं की चिंता बढ़ गई है। कई इलाकों में पहले से ही गैस सिलिंडर की डिलीवरी में देरी की शिकायतें सामने आती रही हैं। ऐसे में बुकिंग के लिए अतिरिक्त इंतजार बढ़ने से घरेलू बजट और रसोई की व्यवस्था दोनों प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है।

सीएनजी-पीएनजी आपूर्ति पर भी पड़ सकता असर

वैश्विक युद्ध का असर ऊर्जा आपूर्ति पर पड़ सकता है। एलएनजी की आपूर्ति कम होने की आशंका के बीच देश में सीएनजी और पीएनजी सप्लाई प्रभावित होने का खतरा बढ़ गया है। इसका असर कानपुर पर भी पड़ सकता है, जहां दो लाख से अधिक सीएनजी वाहन और करीब एक लाख उपभोक्ता पीएनजी पर निर्भर हैं। उद्योग सूत्रों के अनुसार कई औद्योगिक सेक्टरों में गैस सप्लाई पहले ही करीब 40 प्रतिशत तक घटाई जा चुकी है। यदि अंतरराष्ट्रीय हालात और बिगड़ते हैं तो उद्योगों को मिलने वाली गैस और कम की जा सकती है।

'कृष्ण' के रंग में रंगी यूपी की आईपीएस अंशिका वर्मा, बनेंगी राजस्थानी घराने की दुल्हन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बरेली। राजस्थान के बाड़मेर से जुड़े बिश्नोई परिवार का जुड़ाव यूपी के गंगा किनारे प्रयागराज से होने जा रहा है। दरअसल, बरेली की एसपी दक्षिणी आईपीएस अंशिका वर्मा का रिश्ता पिछले दिनों संभल के एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई (केके बिश्नोई) के साथ तय हुआ था। दोनों परिवार की आपस में मुलाकात के बाद शादी को लेकर चर्चा हुई, जो अब साकार होने जा रही है। इसके लिए बाकायदा कार्ड छप गए हैं और तीन दिवसीय वैवाहिक कार्यक्रम की बुकिंग हो गई है।

संभल में मस्जिद प्रकरण के बाद चर्चा में आए कृष्ण कुमार बिश्नोई मुख्यमंत्री योगी के विश्वस्त अधिकारियों में गिने जाते हैं। वह 2018 बैच के आईपीएस हैं और राजस्थान के बाड़मेर के मूल निवासी व नामी बिश्नोई परिवार से ताल्लुक रखते हैं। अंशिका वर्मा प्रयागराज की मूल निवासी हैं और 2021 बैच की आईपीएस हैं। वह पहले गोरखपुर में भी काम कर चुकी हैं और अब बरेली में तैनात रहकर महिला सुरक्षा, तकनीकी आधारित पुलिसिंग और साइबर सुरक्षा जैसे मामलों में शानदार काम कर रही हैं।

जोधपुर के एक रिसॉर्ट में होगा रिसेप्श

दोनों आईपीएस अफसर के तीन दिवसीय वैवाहिक कार्यक्रम की शुरुआत 28 मार्च से होनी है। हालांकि इससे पहले महिला संगीत का कार्यक्रम भी है। 28 मार्च को बाड़मेर के कृष्ण निवास में कृष्ण कुमार बिश्नोई बरात लेकर पहुंचेंगे। 29 मार्च की सुबह विदाई का कार्यक्रम है और 30 मार्च को जोधपुर के एक रिसॉर्ट में विवाह का रिसेप्शन रखा गया है।

कौन हैं आईपीएस अंशिका वर्मा

अंशिका वर्मा 2021 बैच की आईपीएस अधिकारी हैं। वह मूल रूप से प्रयागराज की निवासी हैं। उन्होंने इंजीनियरिंग की पढ़ाई के बाद बिना कोचिंग के सेल्फ स्टडी से सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी की और सफलता पाई। इस समय वह बरेली में एसपी दक्षिणी के तौर पर कार्यरत हैं। यहां उनकी तैनाती सितंबर 2024 में हुई थी। इससे पहले वह गोरखपुर में एएसपी के रूप में कार्यरत थीं। अंशिका वर्मा महिला उत्पीड़न, साइबर क्राइम जैसे मामलों में वह तत्परता से काम करने के लिए जानी जाती हैं।

मार्च 2025 में मिला था यह अवार्ड

मार्च 2025 में दिल्ली में ब्रिक्स चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा आयोजित पांचवें वार्षिक महिला शिखर सम्मेलन में आईपीएस अंशिका वर्मा को वुमेन ऑइकन अवार्ड से सम्मानित किया गया था। महिला सशक्तिकरण की दिशा में बेहतर कार्य के लिए उन्हें यह अवार्ड मिला था।

पहले गौहत्या बंद होनी चाहिए फिर हिन्दू राष्ट्र घोषित करें- शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। ज्योतिष पीठ के पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का शनिवार को सुल्तानपुर में भव्य स्वागत किया गया। वे अपनी 'गौ प्रतिष्ठा पदयात्रा' के तहत यहां पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत में गौ रक्षा, हिंदू राष्ट्र और केंद्र-राज्य सरकार के समन्वय पर अपनी राय रखी। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भी उनका स्वागत किया। सुल्तानपुर पहुंचने पर शंकराचार्य के स्वागत में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। फूलों से सजी गाड़ी में सवार शंकराचार्य ने लखनऊ के लिए रवाना होने से पहले पत्रकारों के सवालों के जवाब दिए। 'हिंदू राष्ट्र' की मांग पर शंकराचार्य ने तर्कपूर्ण बयान देते हुए कहा कि प्रतीकों की राजनीति से अधिक महत्वपूर्ण गौ माता का सम्मान है। उन्होंने सवाल उठाया, "पहले गौ माता की हत्या बंद कराओ ! आज हिंदू राष्ट्र घोषित कर दोगे, तो क्या कल सवेरे से वहां गौ हत्या बंद हो जाएगी। शंकराचार्य ने जोर देकर कहा कि यदि हिंदू राष्ट्र में भी गौ हत्या जारी रहती है, तो यह अपमानजनक होगा। इसलिए पहले गौ हत्या बंद होनी चाहिए, बाकी बातें बाद में। गौ रक्षा के लिए कानून बनाने की जिम्मेदारी केंद्र सरकार की होने के सवाल पर, शंकराचार्य ने संवैधानिक प्रक्रिया का हवाला दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार तभी कानून बनाती है जब राज्य सरकारें अपने यहां कानून बनाकर केंद्र को प्रस्ताव भेजती हैं। उनके अनुसार, राज्यों का समूह ही केंद्र सरकार है, इसलिए राज्यों की ओर से प्रस्ताव मिलने पर ही केंद्र इस दिशा में कार्य करेगा। इससे पहले लंभुआ थाने के पास स्थित हनुमान मंदिर में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद महाराज का भव्य स्वागत किया गया। मंदिर पहुंचकर उन्होंने बजरंगबली की आरती की और परिक्रमा की। इसके बाद उन्होंने मीडिया से बातचीत की।

आगरा में 250 बेड के यथार्थ सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल का लोकार्पण

स्वास्थ्य क्षेत्र में निजी निवेश को बढ़ावा देगी सरकार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि जब सरकार, समाज और संस्थाएं एक दिशा और समान सोच के साथ कार्य करती हैं तो उसके परिणाम कई गुना बेहतर प्राप्त होते हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में निजी निवेश आज की बड़ी आवश्यकता है। स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के लिए जरूरी है कि सरकार अपने स्तर पर प्रयास करे और निजी क्षेत्र भी अपनी भागीदारी सुनिश्चित करे। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार निजी क्षेत्र द्वारा सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों की स्थापना के लिए नई नीति बनाने की दिशा में काम कर रही है।मुख्यमंत्री आज आगरा जनपद में यथार्थ सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के लोकार्पण के बाद आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। 250 बेड की क्षमता वाले इस मल्टी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में व्यापक टर्शियरी केयर सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। मरीजों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तैयार किए गए इस अस्पताल में अत्याधुनिक मेडिकल तकनीक, मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर, रोबोटिक सर्जरी, उन्नत क्रिटिकल केयर यूनिट्स और 24×7 आपातकालीन सेवाएं उपलब्ध हैं, जिससे मरीजों को समय पर और प्रभावी उपचार मिल सकेगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि यथार्थ ग्रुप ने आगरा में अपने आठवें अस्पताल की स्थापना कर स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा प्राप्त करने का अधिकार है और किसी भी संप्रभु राष्ट्र का दायित्व है कि वह अपने नागरिकों को यह सुविधा उपलब्ध कराए।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों में भारत को विश्व स्तर पर नई पहचान मिली है और देश तेजी से

दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। देश में विरासत और विकास के अद्भुत समन्वय के साथ समग्र विकास की अवधारणा को साकार किया जा रहा है।मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में अवसंरचना के क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास हुआ है। हाईवे, एक्सप्रेस-वे और मेट्रो परियोजनाओं का तेजी से विस्तार हो रहा है। रेलवे की नई लाइनों का निर्माण हो रहा है और आधुनिक तकनीक से लैस कोच तैयार किए जा रहे हैं। यात्रियों को वंदे भारत, नमो भारत और अमृत भारत जैसी आधुनिक ट्रेनों में यात्रा करने का अवसर मिल रहा है।उन्होंने कहा कि देश में एयर कनेक्टिविटी भी तेजी से बढ़ी है। पिछले 70 वर्षों में जितने एयरपोर्ट बने, उससे अधिक एयरपोर्ट और हवाई सेवाओं का विस्तार पिछले एक दशक में किया गया है।स्वास्थ्य शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले देश में केवल एक एम्स था। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने इसकी संख्या बढ़ाकर छह कर दी थी, जबकि वर्तमान में देश में एम्स की संख्या 23 तक पहुंच चुकी है। देश में आईआईटी, आईआईएम, एनआईटी और आईआईआईटी जैसे उच्च शिक्षण संस्थानों की भी लंबी श्रृंखला स्थापित की गई है।मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में केवल 17 मेडिकल कॉलेज थे, जबकि आज डबल इंजन सरकार के प्रयासों से प्रदेश में 81 मेडिकल कॉलेज संचालित हो रहे हैं। गोरखपुर और रायबरेली में एम्स का संचालन भी शुरू हो चुका है।उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा लागू की गई जनकल्याणकारी योजनाओं के कारण राज्य के छह करोड़ से अधिक लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठकर सामान्य जीवन जी रहे हैं। पहले किसी व्यक्ति के गंभीर रूप से बीमार होने पर पूरा परिवार आर्थिक संकट में आ जाता था, लेकिन अब जरूरतमंदों को पांच लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा कवर प्रदान किया जा रहा है।उन्होंने बताया कि आयुष्मान भारत योजना के तहत उत्तर प्रदेश में 5 करोड़ 60 लाख लोगों को गोल्डन कार्ड जारी किए जा चुके हैं और यह संख्या जल्द ही 10 करोड़ तक पहुंचने वाली है। इसके अलावा शिक्षा मित्रों, अनुदेशकों, शिक्षकों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और आशा वर्कर्स को भी पांच लाख रुपये तक की कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराई गई है।मुख्यमंत्री ने कहा कि जो लोग किसी योजना से आच्छादित नहीं हैं, उन्हें मुख्यमंत्री राहत कोष से चिकित्सा सहायता दी जाती है। इसके तहत अब तक लगभग 1300 करोड़ रुपये नागरिकों की स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए उपलब्ध कराए जा चुके हैं।उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी जिलों में निःशुल्क डायलिसिस, सीटी स्कैन और अन्य आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। मेडिकल टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में आईआईटी कानपुर औरएसजीपीजीआई लखनऊ में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किए जा रहे हैं। इसके साथ ही ललितपुर में 1500 एकड़ क्षेत्र में फार्मा पार्क और यमुना अथॉरिटी क्षेत्र में 350 एकड़ में मेडिकल डिवाइस पार्क विकसित किया जा रहा है।मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश में इंसेफेलाइटिस जैसी गंभीर बीमारी पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया गया है। पिछले 40 वर्षों में इस बीमारी से 50 हजार से अधिक मौतें हुई थीं, लेकिन सामूहिक प्रयासों से अब इस पर लगभग पूरी तरह नियंत्रण पा लिया गया है।उन्होंने कहा कि यदि यथार्थ ग्रुप प्रदेश के अन्य जिलों में मेडिकल कॉलेज स्थापित करने की पहल करता है तो राज्य सरकार हर संभव सहयोग देने के लिए तैयार है।कार्यक्रम को संत विजय कौशल महाराज और यथार्थ ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर कपिल त्यागी ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर केंद्रीय पंचायतीराज राज्य मंत्री प्रो. एस.पी. सिंह बघेल, प्रदेश की महिला कल्याण मंत्री बेबी रानी मौर्य, उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय, विधायक रानी पक्षालिका सिंह, जी.एस. धर्मेश, बाबूलाल, पुरुषोत्तम खंडेलवाल, डॉ. धर्मपाल, भगवान सिंह कुशवाहा, प्रदीप भाटी, छोटेलाल वर्मा, आगरा की महापौर हेमलता दिवाकर कुशवाहा, यथार्थ ग्रुप के चेयरमैन डॉ. अजय त्यागी सहित अनेक जनप्रतिनिधि और गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पं. गोविंद बल्लभ पंत की पुण्यतिथि पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अर्पित की श्रद्धांजलि

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देश के पूर्व गृह मंत्री और उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री 'भारत रत्न' पंडित गोविंद बल्लभ पंत की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने लोकभवन स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भारत मां का महान सपूत, प्रख्यात स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, कुशल अधिवक्ता और सुयोग्य प्रशासक बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंडित गोविंद बल्लभ पंत के कार्य आज भी हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत हैं और उनका जीवन देश व समाज को निरंतर मार्गदर्शन प्रदान कर रहा है।मुख्यमंत्री ने कहा कि पंडित गोविंद बल्लभ पंत का जन्म वर्तमान उत्तराखंड में हुआ था, जो उस समय संयुक्त प्रांत का हिस्सा था। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के आह्वान पर उन्होंने अपनी सफल वकालत को त्यागकर स्वाधीनता संग्राम में सक्रिय भागीदारी की और देश की आजादी की लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जब देश अंग्रेजी शासन के अधीन था, तब वर्ष 1937 में उनका चयन संयुक्त प्रांत के प्रीमियर के रूप में हुआ था। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने प्रदेश के विकास और प्रशासनिक सुधारों की मजबूत आधारशिला रखी।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पंडित गोविंद बल्लभ पंत ने अपने दूरदर्शी नेतृत्व और प्रभावी प्रशासन के माध्यम से उत्तर प्रदेश के विकास का जो मार्ग प्रशस्त किया, उसी का अनुसरण करते हुए आज उत्तर प्रदेश देश की अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश आज जो भी प्रगति कर रहा है, उसके पीछे पंडित गोविंद बल्लभ पंत की सोच और दूरदृष्टि का महत्वपूर्ण योगदान है।मुख्यमंत्री ने कहा कि पंडित गोविंद बल्लभ पंत ने देश के गृह मंत्री के रूप में भी राष्ट्र को अमूल्य सेवाएं दीं। राजभाषा हिंदी के प्रोत्साहन और उसके व्यापक प्रचार-प्रसार में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। देश की स्वतंत्रता में उनके अमूल्य योगदान तथा उत्तर प्रदेश और राष्ट्र की बहुमूल्य सेवा के लिए वर्ष 1957 में उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया।इस अवसर पर कृषि राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख, लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल, विधायक जय देवी, विधायक अमरेश कुमार और विधान परिषद सदस्य मुकेश शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे।

गृहकर वसूली तेज करने की तैयारी, रविवार को भी खुलेंगे नगर निगम के जोनल कार्यालय

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। वित्तीय वर्ष 2025-26 समाप्त होने में अब केवल 24 दिन शेष रह गए हैं। ऐसे में नगर निगम प्रशासन ने गृहकर (हाउस टैक्स) की वसूली तेज करने के लिए सभी जोनल अधिकारियों और कर्मचारियों को विशेष निर्देश जारी किए हैं। नगर निगम का लक्ष्य है कि वित्तीय वर्ष खत्म होने से पहले अधिक से अधिक बकाया गृहकर की वसूली कर राजस्व में वृद्धि की जाए और निर्धारित लक्ष्य को हासिल किया जा सके।नगर निगम प्रशासन ने नागरिकों को सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए रविवार 08 मार्च 2026 को भी सभी जोनल कार्यालयों और कैश काउंटरों को खोलने का फैसला किया है। सार्वजनिक अवकाश के बावजूद शहर के सभी जोनल कार्यालयों में प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 02:00 बजे तक गृहकर जमा करने की व्यवस्था रहेगी।इस दौरान भवन स्वामियों के कर निर्धारण की प्रक्रिया भी तेजी से पूरी कराई जाएगी। संबंधित डाटा की फीडिंग सहित अन्य आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कराकर करदाताओं को राहत देने का प्रयास किया जाएगा, ताकि उन्हें किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े और वे आसानी से अपना गृहकर जमा कर सकें।नगर निगम प्रशासन ने सभी जोनल अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए हैं कि वे गृहकर के बकायेदारों से व्यक्तिगत रूप से संपर्क कर उन्हें कर जमा करने के लिए प्रेरित करें। अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि जिन लोगों पर गृहकर बकाया है, उनसे समय रहते कर की वसूली कर ली जाए।इसके अलावा नगर निगम ने शहर के सभी वार्डों में विशेष कैंप आयोजित करने की भी योजना बनाई है। इन कैंपों के माध्यम से भवनों का कर निर्धारण, बकाया गृहकर की वसूली और नागरिकों को कर भुगतान के प्रति जागरूक किया जाएगा। प्रशासन ने इन कैंपों का व्यापक प्रचार-प्रसार कराने के निर्देश भी दिए हैं, ताकि अधिक से अधिक नागरिक इनका लाभ उठा सकें और समय पर अपना गृहकर जमा कर सकें।नगर निगम अधिकारियों का कहना है कि वित्तीय वर्ष समाप्त होने से पहले बकाया गृहकर की अधिकतम वसूली सुनिश्चित करने के लिए यह विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें सभी विभागीय अधिकारी और कर्मचारी सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं।

9 मार्च से बदलेगी उत्तर प्रदेश पुलिस की वर्दी, दिन में ग्रीष्मकालीन ड्रेस अनिवार्य

लखनऊ। ऋतु परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए उत्तर प्रदेश पुलिस मुख्यालय ने प्रदेश भर में पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की वर्दी को लेकर नया आदेश जारी किया है। इस आदेश के अनुसार 9 मार्च 2026 से प्रदेश में पुलिस कर्मियों के लिए वर्दी के उपयोग में परिवर्तन लागू किया जाएगा।जारी निर्देशों के मुताबिक 9 मार्च 2026 (सोमवार) से दिन के समय सभी पुलिस अधिकारी और कर्मचारी ग्रीष्मकालीन वर्दी धारण करेंगे। वहीं रात्रि के समय आवश्यकता और स्थानीय मौसम की स्थिति को देखते हुए शीतकालीन वर्दी पहनने की अनुमति दी गई है।इसके साथ ही 22 मार्च 2026 से प्रदेश भर में दिन और रात दोनों समय ग्रीष्मकालीन वर्दी ही अनिवार्य रूप से धारण करनी होगी।पुलिस मुख्यालय की ओर से जारी कार्यालय ज्ञाप में बताया गया है कि यह आदेश पुलिस महानिदेशक के अनुमोदन के बाद जारी किया गया है। इसके अनुपालन के लिए प्रदेश के सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे और इसका कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराया जाएगा।

दहेज प्रताड़ना से तंग आकर महिला की आत्महत्या, मुख्य आरोपी पति गिरफ्तार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के दक्षिणी जोन की बंथरा पुलिस ने दहेज के लिए पत्नी को प्रताड़ित कर आत्महत्या के लिए मजबूर करने के मामले में वांछित मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को उसके घर से पकड़कर आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।पुलिस के अनुसार 29 नवंबर 2025 को वादी संतोष कुमार, निवासी ग्राम गहरु (निकट स्कूटर इंडिया गेट नंबर-01) थाना सरोजनीनगर, लखनऊ ने थाना बंथरा में लिखित तहरीर देकर आरोप लगाया था कि उसकी बहन को ससुराल पक्ष के लोग लगातार दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित करते थे। उसके साथ गाली-गलौज और मारपीट की जाती थी, जिससे परेशान होकर उसकी बहन ने आत्महत्या कर ली।इस तहरीर के

आधार पर थाना बंथरा में मुकदमा अपराध संख्या 403/2025 के तहत भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में अजीत सहित 11 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। पुलिस द्वारा मामले की विवेचना के दौरान साक्ष्य संकलन और आरोपियों की तलाश की जा रही थी। इसी क्रम में मुख्य आरोपी अजीत पुत्र महावीर, निवासी ग्राम भदोई थाना बंथरा, लखनऊ (उम्र करीब 32 वर्ष) को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया गया।पुलिस के अनुसार वादी की बहन इशिका गौतम का विवाह वर्ष 2017 में अजीत के साथ हुआ था। विवाह के बाद से ही ससुराल पक्ष द्वारा अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर उसे मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाता था। आरोप है कि अजीत भी अपनी पत्नी से दहेज की मांग पूरी कराने के लिए अक्सर गाली-गलौज, मारपीट और धमकी देता था।

इंदिरानगर में बंद घर को निशाना बनाकर लाखों के जेवरात व सामान चोरी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी के इंदिरानगर थाना क्षेत्र में चोरों ने बंद पड़े एक मकान को निशाना बनाते हुए सोने-चांदी के आभूषण और अन्य कीमती सामान चोरी कर लिया। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार इंदिरानगर थाना क्षेत्र के फरीदी नगर स्थित बाल विहार कॉलोनी में रहने वाली शिप्रा सिंह ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि 26 फरवरी 2026 को वह अपने परिवार के साथ रिश्तेदारी में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए घर से बाहर गई थीं। इस दौरान उनका मकान कई दिनों तक बंद रहा।शिकायत के मुताबिक 6 मार्च 2026 की रात करीब 10:30 बजे जब वह परिवार सहित वापस घर लौटीं तो देखा कि घर के मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ था। अंदर जाने पर कमरे का सामान बिखरा पड़ा था। घर में रखे सोने-चांदी के आभूषण और अन्य कीमती सामान गायब थे, जिससे स्पष्ट हुआ कि अज्ञात चोरों ने मकान में घुसकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया है।सूचना मिलने पर थाना इंदिरानगर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस टीम ने आसपास के लोगों से पूछताछ की और क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है ताकि चोरी में शामिल आरोपियों की पहचान की जा सके।पुलिस ने बताया कि प्राप्त तहरीर के आधार पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। घटना के जल्द खुलासे के लिए पुलिस की अलग-अलग टीमें गठित की गई हैं और संदिग्ध लोगों की तलाश की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी गए सामान की बरामदगी का प्रयास किया जाएगा।

लापरवाही से कार चलाने वाले चालक की गिरफ्तारी, सड़क हादसे में दो लोगों की मौत

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के दक्षिणी जोन की सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस ने तेज और लापरवाही से वाहन चलाकर दो लोगों की मौत का कारण बने कार चालक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त कार को भी कब्जे में लेकर मुकदमे में दाखिल कर दिया है।पुलिस के अनुसार 5 मार्च 2026 को वादी सुमेश, निवासी ग्राम गोपालखेड़ा पुरसेनी थाना मोहनलालगंज लखनऊ ने थाना सुशांत गोल्फ सिटी में लिखित तहरीर देकर बताया कि कार संख्या यूपी-32 क्यूवाई-1854 के चालक ने तेज और लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए उसके पिता की बुलेट मोटरसाइकिल संख्या यूपी-32 क्यूजेड-6912 में जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण सड़क दुर्घटना में वादी के पिता सुशील कुमार और

उसके नाना मुन्नीलाल की मौके पर ही मृत्यु हो गई, जबकि वादी की माता बबली गंभीर रूप से घायल हो गईं।इस मामले में थाना सुशांत गोल्फ सिटी में मुकदमा अपराध संख्या 133/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने विवेचना के दौरान घटना में प्रयुक्त वाहन की जानकारी जुटाई, जिसमें वाहन स्वामी का नाम शिवम सिंह चौहान पुत्र विजय सिंह चौहान निवासी खुर्दही बाजार बक्कास थाना सुशांत गोल्फ सिटी लखनऊ पाया गया।इसके बाद मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने आरोपी के निवास स्थान खुर्दही बाजार बक्कास में दबिश देकर शिवम सिंह चौहान को हिरासत में ले लिया। पूछताछ के बाद उसे विधिक कार्रवाई करते हुए न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त कार संख्या यूपी-32 क्यूवाई-1854 (महिंद्रा एक्सयूवी 300) को भी कब्जे में लेकर मुकदमे में शामिल कर लिया है।

मड़ियांव में किराये के कमरे में युवक की संदिग्ध मौत, पंखे से कपड़ा लटका मिला

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी के मड़ियांव थाना क्षेत्र में एक किराये के कमरे में युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी।पुलिस के अनुसार मड़ियांव थाना क्षेत्र के सेक्टर-बी, प्रियदर्शनी कॉलोनी स्थित मकान संख्या एल-1/108-109 में किराये पर रहने वाले कुलदीप यादव पुत्र राघवेंद्र यादव, निवासी आजाद नगर बिजवार खुर्द थाना खैराबाद जनपद सीतापुर (हाल पता प्रियदर्शनी कॉलोनी, लखनऊ) ने पुलिस को सूचना दी कि उनके साथ ही दूसरे कमरे में किराये पर रहने वाले युवक पवन के कमरे का दरवाजा काफी देर से बंद था।काफी समय तक दरवाजा न खुलने पर उन्हें संदेह हुआ। इसके बाद उन्होंने खिड़की से झांक कर देखा तो कमरे के अंदर पंखे से कपड़ा लटका हुआ दिखाई दिया और पवन फर्श पर अचेत अवस्था में पड़े हुए थे। यह दृश्य देखकर उन्होंने तुरंत स्थानीय पुलिस को सूचना दी।सूचना मिलते ही मड़ियांव थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा खुलवाकर कमरे का निरीक्षण किया। जांच के दौरान कमरे के अंदर पवन कुमार शुक्ला पुत्र प्रमोद कुमार शुक्ला, निवासी ग्राम रैघटा थाना सकरन जनपद सीतापुर, उम्र लगभग 30 वर्ष मृत अवस्था में पाए गए।पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए और शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी की।

मिशन शक्ति 5.0 के तहत इको गार्डन में महिला सुरक्षा जागरूकता अभियान

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा संचालित महत्वाकांक्षी अभियान मिशन शक्ति 5.0 के तहत लखनऊ कमिश्नरेट में महिला सुरक्षा, जागरूकता और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लगातार कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में थाना आलमबाग पुलिस टीम द्वारा इको गार्डन में विशेष जागरूकता अभियान चलाकर महिलाओं, छात्राओं और बच्चों को उनके अधिकारों तथा सुरक्षा उपायों के बारे में जानकारी दी गई।यह अभियान पुलिस आयुक्त अमरेन्द्र कुमार सेंगर के निर्देशन में चलाया जा रहा है। मिशन शक्ति के अंतर्गत लखनऊ कमिश्नरेट के 54 थानों में मिशन शक्ति केंद्र स्थापित किए जा चुके हैं, जहां महिलाओं की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए एक निरीक्षक, एक अतिरिक्त निरीक्षक,

एक उपनिरीक्षक और एक महिला उपनिरीक्षक की तैनाती की गई है। इन केंद्रों का उद्देश्य थाने पर आने वाली महिलाओं की शिकायतों का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करना है।इको गार्डन में आयोजित इस कार्यक्रम में थाना आलमबाग की टीम ने लगभग 60 लोगों को जागरूक किया। पुलिस कर्मियों ने राहगीर महिलाओं, छात्राओं और बच्चों को उनके कानूनी अधिकारों की जानकारी दी और महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों तथा साइबर अपराधों से बचाव के उपाय बताए।कार्यक्रम के दौरान महिला हेड कांस्टेबल रीमा और महिला कांस्टेबल अनामिका सिंह ने उपस्थित लोगों को विभिन्न आपातकालीन हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी। इनमें महिला उत्पीड़न की शिकायत के लिए 1090 (महिला पावर लाइन), किसी भी आपात स्थिति में पुलिस, एम्बुलेंस और फायर सेवा के लिए 112, तत्काल चिकित्सा सहायता के लिए 108, बच्चों से जुड़ी समस्याओं के लिए 1098 (चाइल्डलाइन) तथा सामान्य सहायता के लिए 1076 टोल-फ्री हेल्पलाइन शामिल हैं।इसके साथ ही डिजिटल सुरक्षा के महत्व को बताते हुए पुलिस टीम ने साइबर अपराधों की रिपोर्टिंग के लिए आधिकारिक साइबर क्राइम पोर्टल के बारे में जानकारी दी। लोगों को बताया गया कि साइबर धोखाधड़ी, हैकिंग और ऑनलाइन उत्पीड़न जैसे मामलों की शिकायत ऑनलाइन दर्ज की जा सकती है।कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश पुलिस के मोबाइल एप्लीकेशन यूपी कॉप ऐप के बारे में भी विस्तार से बताया गया। इस ऐप के माध्यम से नागरिक त्वरित सहायता प्राप्त कर सकते हैं, अपनी रियल टाइम लोकेशन साझा कर सकते हैं और ऑनलाइन शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

महिला सुरक्षा में लखनऊ पुलिस की सख्ती : अपराधों में कमी, त्वरित जांच और कठोर कार्रवाई से बढ़ा भरोसा

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति और मिशन शक्ति 5.0 अभियान के तहत लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट ने महिला सुरक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। पुलिस आयुक्त अमरेन्द्र कुमार सेंगर के निर्देशन में बीते एक वर्ष के दौरान प्रभावी पुलिसिंग, त्वरित विवेचना और कठोर कार्रवाई के चलते महिला संबंधित अपराधों में लगभग 20 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है।पुलिस द्वारा अपराध नियंत्रण के साथ-साथ त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिए कई अहम कदम उठाए गए हैं। वर्ष 2025-26 के दौरान महिला अपराधों से जुड़े 1425 से अधिक मामलों में मात्र 60 दिनों के भीतर चार्जशीट दाखिल कर नई मिसाल पेश की गई। वहीं ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत प्रभावी पैरवी करते हुए कुल 284 अपराधियों को सजा दिलाई गई। इनमें 7 अपराधियों को आजीवन कारावास, 82 अपराधियों को 10 वर्ष या उससे अधिक की सजा तथा 113 अभियुक्तों को 10 वर्ष से कम की सजा के साथ आर्थिक दंड भी दिया गया।लखनऊ पुलिस ने त्वरित जांच के मामले में भी रिकॉर्ड बनाया है। जुलाई 2025 में मलिहाबाद क्षेत्र में सात वर्षीय बच्ची के साथ अश्लील कृत्य के मामले में पुलिस ने आरोपी सुचित यादव को महज 10 घंटे में गिरफ्तार कर लिया और मात्र 24 घंटे के भीतर जांच पूरी कर कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर दी। फॉरेंसिक और मेडिकल रिपोर्ट को प्राथमिकता के आधार पर तेजी से जुटाकर यह कार्रवाई संभव हो सकी।महिलाओं के खिलाफ जघन्य अपराध करने वाले अपराधियों के खिलाफ पुलिस ने सख्त कार्रवाई भी की है।

खामेनेई, ऐसे व्यक्ति की मौत पर मातम मनाना जायज है?

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की अमेरिका और इजराइल के संयुक्त हमले में हुई मौत के बाद भारत के कुछ हिस्सों में जिस तरह शोक और विरोध का माहौल बनाया जा रहा है, उसने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सवाल यह है कि भारत के आंतरिक मामलों में गैर-जरूरी टिप्पणियां करते रहे खामेनेई की मौत पर यहां हंगामा क्यों खड़ा किया जा रहा है? खासकर कश्मीर घाटी में हालात क्यों तनावपूर्ण बनाये जा रहे हैं? कश्मीर में जनजीवन लगातार छठे दिन प्रभावित है। अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद यह पहली बार है जब घाटी में इतने बड़े पैमाने पर विरोध देखने को मिला है। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि भारत में आखिर किस बात का मातम मनाया जा रहा है? जिस खामेनेई को लेकर कुछ लोग यहां छाती पीट रहे हैं, वही खामेनेई पिछले एक दशक से बार बार भारत के आंतरिक मामलों पर टिप्पणी करते रहे थे। 2017 में उन्होंने मुस्लिम देशों से कश्मीर के मुसलमानों का समर्थन करने की अपील की थी। अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद भी उन्होंने भारत को कश्मीर पर तथाकथित न्यायपूर्ण नीति अपनाने की नसीहत दी थी, जिस पर भारत ने कड़ी आपत्ति जताई थी और ईरानी दूत को तलब किया था। यही नहीं, जनवरी 2020 में नागरिकता संशोधन कानून को लेकर ईरान की संसद के अध्यक्ष ने इसे मुस्लिम विरोधी बताया था, जिसे भारत ने अपने आंतरिक मामले में दखल करार दिया था। उसी साल दिल्ली दंगों के दौरान खामेनेई ने सोशल मीडिया पर लिखा था कि भारत को चरमपंथी हिंदुओं का सामना करना चाहिए। उन्होंने दिल्ली दंगे के दौरान हिंसा को मुसलमानों का नरसंहार बताया था। उन्होंने यह तक कहा था कि भारत इस्लामी दुनिया से अलग थलग पड़ सकता है। यही नहीं, सितंबर 2024 में भी खामेनेई ने एक पोस्ट में भारत को म्यांमार और गाजा के साथ जोड़ते हुए टिप्पणी की थी, जिस पर भारत सरकार ने उसे गलत और अस्वीकार्य बताया था। ऐसे व्यक्ति की मौत पर भारत में शोक मनाने वालों से सीधा सवाल है कि क्या उन्हें यह याद नहीं कि यही नेता भारत के खिलाफ लगातार बयान देता रहा था? खामेनेई की मौत पर भारत में मातम मना रहे लोगों को क्या ईरान में महिलाओं पर कठोर नियंत्रण और वहां के प्रदर्शनकारियों के खिलाफ हुई कठोर दमनात्मक कार्रवाइयां भी दिखाई नहीं देतीं?

यहां सवाल यह भी उठता है कि कांग्रेस संसदीय दल की चेयरपर्सन सोनिया गांधी आखिर किस नैतिक अधिकार से मोदी सरकार की ईरान नीति पर सवाल उठा रही हैं? सोनिया गांधी को याद होना चाहिए कि साल 2005 से 2009 के बीच जब भारत अमेरिका के साथ नागरिक परमाणु समझौते पर बातचीत कर रहा था, तब कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी में तीन बार ईरान के खिलाफ मतदान किया था। आज जब वही दल केंद्र सरकार की नीति पर सवाल उठा रहा है, तब क्या उसे अपने पुराने फैसलों का जवाब नहीं देना चाहिए? देखा जाये तो भारत की आधिकारिक नीति फिलहाल संतुलित दिखाई देती है। नई दिल्ली ने पश्चिम एशिया में शांति और स्थिरता की अपील दोहराई है और कूटनीतिक समाधान पर जोर दिया है। लेकिन देश के भीतर जो भावनात्मक और राजनीतिक प्रतिक्रिया सामने आ रही है, उसने यह बहस तेज कर दी है कि आखिर भारत में खामेनेई के लिए किस कारण से मातम मनाया जा रहा है?

रंगोत्सव होली के सियासी और सांस्कृतिक मायने

भारत में होली का राजनीतिक महत्व बहुत अधिक है जो सामाजिक एकता से सांस्कृतिक ध्रुवीकरण तक फैला हुआ है, जहां यह हिंदुत्व का प्रतीक और चुनावी मुद्दा बन जाता है। अतीत में झांकें तो ऐतिहासिक रूप से मुगल काल में यह रंगपर्व सांस्कृतिक समन्वय का प्रतीक भी बना रहा, जबकि आज यह सियासी रंग ले लेता है।

कमलेश पांडे

रंगपर्व होली भले ही भारतीय सभ्यता-संस्कृति से अनुप्राणित है, लेकिन गुलामी काल में यह पाश्चात्य सभ्यता-संस्कृति के सामाजिक दुष्प्रभाव से भी यह अछूती नहीं बची है। आमतौर पर यह रंगोत्सव देश-दुनिया में हंसी ठिठोली का त्योहार समझा जाता है। इस दौरान आमलोगों में रंग-गुलाल खेलने के साथ-साथ मीठे पकवानों, नमकीन मांसाहारों और नशीले पदार्थों के सेवन जैसे (भांग), द्रव्य (शराब) और गैस (गांजा) का प्रयोग बहुतायत में देखने को मिलता है जिससे लोग झूम उठते हैं।

आमतौर पर शुद्र यानी सेवक पर्व होली आपसी प्रेम और सौहार्द का प्रतीक है, जब घोर दुश्मन भी एक दूसरे के गले मिलने से नहीं हिचकते हैं। बदलते जमाने के अनुरूप लोकपर्व होली का रंगोत्सव भारतीय राजनीति में व्यक्तित्व ब्रांडिंग का भी पर्याय बन चुका है। यह वसंत पर्व अब सामाजिक-राजनीतिक ध्रुवीकरण, सांप्रदायिक तनाव और चुनावी रणनीति का प्रतीक बन गया है। लोकतांत्रिक भारत में यह प्रवृत्ति वर्ष दर वर्ष गहराती जा रही है। खासकर 2026 में ही बिहार, यूपी और अन्य राज्यों में नेताओं के बड़बोले बयानों ने इसे और उभार दिया। इससे सांप्रदायिक विवाद को भी बढ़ावा मिला।

जहां बीजेपी विधायकों और अधिकारियों ने मुस्लिम समुदाय से होली पर घर में रहने या नमाज स्थगित करने की अपील की, जिससे विपक्ष ने ध्रुवीकरण का आरोप लगाया। वहीं यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हुड़दंगियों पर सख्ती का संदेश दिया, जबकि बिहार में शराबबंदी पर बहस ने इसे राजनीतिक रंग से जोड़ा। कहना न होगा कि अब ये बयान हिंदुत्व के सियासी एजेंडे को मजबूत करने की भरपूर कोशिश दिखाते हैं। इससे चुनावी रणनीति भी प्रभावित होती है। बिहार में राज्यसभा चुनाव के दौर में होली पर नेताओं ने रंग खेलकर वोटरों से जुड़ने की कोशिश की। उधर, छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के होली बहिष्कार के ऐलान पर बीजेपी ने हिंदू विरोधी करार दिया।

देखा जाए तो ऐसे विवाद आने वाले चुनावों में सामाजिक ध्रुवीकरण का हथियार बन सकते हैं। लिहाजा इन्हें काबू में करने के लिए पुख्ता प्रशासनिक इंतजाम किये गए हैं। खासकर राज्यों में पुलिस ने सांप्रदायिक तनाव, स्टंटबाजी और अराजकता रोकने के लिए भारी पुलिस बल तैनात

किया। सिर्फ दिल्ली में ही 15,000 जवान, ड्रोन और सीसीटीवी से निगरानी हो रही है। इजरायल-ईरान युद्ध के मद्देनजर पूरे देश में ऐसी ही निगरानी की जा रही है। ऐसे में यह सब इस महत्वपूर्ण त्योहार को शांतिपूर्ण बनाए रखने की चुनौती को भी दर्शाता है।

भारत में होली का राजनीतिक महत्व बहुत अधिक है जो सामाजिक एकता से सांस्कृतिक ध्रुवीकरण तक फैला हुआ है, जहां यह हिंदुत्व का प्रतीक और चुनावी मुद्दा बन जाता है। अतीत में झांकें तो ऐतिहासिक रूप से मुगल काल में यह रंगपर्व सांस्कृतिक समन्वय का प्रतीक भी बना रहा, जबकि आज यह सियासी रंग ले लेता है। ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में यदि नजर डालें तो तो मौर्य काल से मुगल काल तक होली भव्यता से मनाई जाती थी, जहां अशोक और अकबर जैसे शासक खुद भी इसमें भाग लेते थे। तब भी यह सामाजिक बाधाओं को तोड़ने का अवसर था, और आज भी यह जाति-वर्ग भेद मिटाकर सामाजिक एकता और साम्प्रदायिक सद्भाव का संदेश देता था।

आज आधुनिक समय में भी होलिका दहन बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक बनकर राजनीतिक संदेशों से जुड़ गया है। आधुनिक राजनीतिकरण की प्रवृत्ति में बीजेपी जैसे दल इसे हिंदू एकता के प्रतीक के रूप में प्रचारित करते हैं, जबकि विपक्ष बहिष्कार जैसे बयानों को ध्रुवीकरण बताता है। वर्ष 2026 में छत्तीसगढ़, बिहार में नेताओं के बयानों ने सांप्रदायिक तनाव बढ़ाया है। चुनावी वर्षों में रंग खेलना वोटर जुड़ाव की रणनीति है। जहां तक सामाजिक प्रभाव की बात है तो होली अब हुड़दंग या सांस्कृतिक एजेंडे से जोड़कर देखी जाती है, जो सामूहिकता को राजनीतिक लाभ में बदल देती है। यह प्रेम-एकता का संदेश देने के बजाय धार्मिक भावनाओं को उकसाने का माध्यम बन चुका है।

खासकर नेताओं द्वारा होली पर रंग लगाने की परंपरा अब आधुनिक राजनीतिक प्रचार का हिस्सा बन चुका है, जो भगवान श्रीकृष्ण द्वारा शुरू की गई पौराणिक रंग खेलने की प्रथा से अभिप्रेरित है। वर्तमान दौर में यह जनता से सीधा जुड़ाव बनाने और निज छवि सुधारने की रणनीति के तौर पर देखा जाने लगा है। पौराणिक आधार पर यदि गौर फरमाएं तो रंग लगाने की परंपरा द्वापर युग से कृष्ण-राधा लीला से जुड़ी है, जहां कृष्ण ने अपनी मां यशोदा के सुझाव पर राधा को रंग लगाकर समानता का संदेश दिया। इसलिए ब्रज क्षेत्र में यह प्रथा लोकप्रिय हुई, जो बाद में पूरे भारत में फैली है।

प्राचीन काल में प्राकृतिक रंग जैसे टेसू के फूलों से शुरू हुई यह परंपरा सामाजिक एकता का प्रतीक बनी। बाद में राजनीतिक लोगों ने भी इसे अपनाना शुरू कर दिया।आजादी के बाद नेताओं ने इसे चुनावी लाभ के लिए अपनाया; पंडित नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, अटल बिहारी बाजपेयी से लेकर वर्तमान नेता जैसे नरेंद्र मोदी और योगी आदित्यनाथ तक रंग खेलकर जनसंपर्क बढ़ाने की परंपरा अनवरत रूप से जारी है। तमाम वृत्तांत पढ़े देखे सुने जा सकते हैं। 2026 में बिहार, यूपी में राज्यसभा चुनावों के दौरान चिराग पासवान जैसे नेताओं ने इसे वोटर जुड़ाव के हथियार बनाया। यह हिंदुत्व एजेंडे को मजबूत करने और ध्रुवीकरण का माध्यम भी बन गया। जहां तक सामाजिक प्रभाव की बात है तो यह परंपरा दुश्मनी भुलाने का संदेश देती है, लेकिन सियासत में ध्रुवीकरण बढ़ाती है। नेताओं के रंग लगाने से पार्टी कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ता है, पर सांप्रदायिक विवाद भी जन्म लेते हैं। होली भारतीय संस्कृति में सामाजिक समरसता, प्रेम और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। यह वसंत ऋतु के आगमन के साथ नई शुरुआत और सामूहिक आनंद का उत्सव है। इससे सामाजिक एकता मजबूत होती है। सच कहूं तो रंगों की होली जाति, वर्ग और लिंग की बाधाओं को तोड़ती है, जहां सभी एक-दूसरे को गले लगाते हैं और पुरानी कटुता भुला देते हैं। खासकर ब्रज की लठमार होली जैसी परंपराएं महिलाओं की सशक्तता और कृष्ण-राधा के प्रेम को दर्शाती हैं। यह भाईचारा और सौहार्द्र का संदेश देती है। जहां तक आध्यात्मिक महत्व की बात है तो होलिका दहन अधर्म पर धर्म की विजय दिखाता है, जो प्रह्लाद की भक्ति से प्रेरित है। यह हिरण्यकश्यप की पुत्र प्रताड़ना से मुक्ति का पर्व है।

टिप्पणी

यूरोपीय देशों की मुश्किल

यूरोपीय देशों की मुश्किल यह है कि अमेरिका का साया उन पर नहीं रहा, रूस से उनकी दुश्मनी है, और चीन को वे अपने आर्थिक हितों के लिए खतरा मानते हैं। जबकि आज की दुनिया में यही सबसे बड़ी ताकतें हैं।

पिछले महीने दावोस में हुए वर्ल्ड इकॉनमिक फोरम के बाद अब जर्मनी में हुए म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में दुनिया में आए आमूल परिवर्तन से पैदा हुई चुनौतियां की गूंज सुनने को मिली। दावोस में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी जो कहा, उसे म्यूनिख में जर्मन चांसलर फ्रीडरिक मर्ज और अन्य यूरोपीय नेताओं ने दोहराया। स्वाभाविक रूप से यूरोपीय नेता इस परिवर्तन से अधिक परेशान हैं, क्योंकि नई परिस्थितियों में अमेरिका उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी से मुकरता नजर आया है। उलटे डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन ने रूस से तार जोड़ लिए हैं, जिसे यूरोपीय सरकारें अपने लिए सबसे बड़ा खतरा मानती हैं। जर्मन चांसलर ने म्यूनिख में अपने यूरोपीय सहयोगियों को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि 'नियम आधारित' पुरानी विश्व व्यवस्था अब मौजूद नहीं है।

उसकी जगह महाशक्तियों की होड़ ने ले ली है। मर्ज ने इसे यूरोप के लिए खतरे की घंटी बताया। कहा कि हम अब एक ऐसे युग में प्रवेश कर चुके हैं, जो खुले तौर पर ताकत और सत्ता की राजनीति से परिभाषित होता है- जहां हर नियम-कायदे पर राष्ट्रीय हितों को तरजीह दी जा रही है। वैश्विक शक्ति संतुलन में अमेरिका की स्थिति पर भी उन्होंने स्पष्ट राय रखी। चेतावनी दी कि वैश्विक नेतृत्व पर अमेरिका का दावा अब चुनौती के घेरे में है- शायद यह खो भी चुका है। नतीजतन, दुनिया अब अनिश्चितता के दौर में है।

यूरोपीय देशों की मुश्किल यह है कि अमेरिका का साया उन पर नहीं रहा, रूस से उनकी दुश्मनी है, और चीन को वे अपने आर्थिक हितों के लिए खतरा मानते हैं। जबकि आज की दुनिया में यही सबसे बड़ी ताकतें हैं। म्यूनिख में चीन की कई नेताओं ने यह कहते हुए कड़ी आलोचना की कि दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था सुनियोजित रूप से दूसरे देशों की निर्भरता का फायदा उठाती है। चीन अपने उद्देश्यों को पूरा करने के लिए अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की नई व्याख्या कर रहा है और नियमों को अपने हिसाब से तोड़-मरोड़ रहा है। मगर करें क्या? इस सवाल पर कोई साफ समझ सामने नहीं आई। इस रूप में म्यूनिख दावोस का एक और संस्करण बनकर रह गया।

ब्लॉग

ममता की जिद के कारण अंधियारे की तरफ पश्चिम बंगाल

योगेंद्र योगी

बंगाल में 19वीं सदी के दौरान शिक्षा के केंद्र के रूप में बंगाली पुनर्जागरण ने साहित्यिक और बौद्धिक चेतना का विकास किया, जिससे पश्चिमी शिक्षा का आगमन हुआ। पश्चिम बंगाल ऐतिहासिक रूप से भारत का एक प्रमुख शैक्षणिक और बौद्धिक केंद्र रहा है, जो बंगाली पुनर्जागरण से लेकर आधुनिक काल तक ज्ञान का गढ़ बना रहा है। कोलकाता (तत्कालीन कलकत्ता) ने आधुनिक शिक्षा प्रणाली की शुरुआत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसमें 1857 में स्थापित कलकत्ता विश्वविद्यालय, विश्व-भारती, और आईआईटी खड़गपुर जैसे प्रतिष्ठित संस्थान शामिल हैं। ऐतिहासिक दौर में शिक्षा की कीर्ति पताका फहराने वाले पश्चिम बंगाल की आज हालत यह हो गई है कि 4 हजार स्कूल राम भरोसे हैं। पश्चिम बंगाल की शिक्षा व्यवस्था वेंटिलेटर पर है।

ममता सरकार की जिद से केंद्र सरकार से मिलने वाले 10 हजार करोड़ रुपए डूब गए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने पर यह राशि केंद्र सरकार से मिलने थी। ममता बनर्जी सरकार ने पश्चिम बंगाल में राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू नहीं की। ममता सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को अहंकार का मुद्दा बना लिया है। केंद्र सरकार के बार-बार अनुरोध करने के बावजूद बंगाल सरकार ने शिक्षा नीति लागू नहीं की नतीजा यह हुआ कि समग्र शिक्षा मिशन के तहत मिलने वाली 10,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त केंद्रीय निधि राज्य को नहीं मिल पाई। पूरे देश में जितने भी स्कूल बिना शिक्षकों के चल रहे हैं, उनमें से 50% अकेले पश्चिम बंगाल में हैं। अर्थात बाकी पूरा देश एक तरफ और ममता का बंगाल एक तरफ।

शिक्षा व्यवस्था में आई यह गिरावट बताती है कि टीएमसी सरकार के राज में बच्चों के भविष्य के साथ कैसा खिलवाड़ हो रहा है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने तीखा हमला बोलते हुए कहा कि नई शिक्षा नीति मातृभाषा (बंगाली) में पढ़ाई की बात करती है, लेकिन ममता सरकार इसे लागू नहीं करना चाहती। क्या राज्य सरकार बंगाली में शिक्षा की अनुमति नहीं देना चाहती? केंद्रीय मंत्री ने साफ कर दिया कि अगर 2026 के विधानसभा चुनावों के बाद भाजपा सत्ता में आती है, तो शिक्षा क्षेत्र उनका 'प्राइम फोकस' होगा। उन्होंने बंगाल की जनता को संदेश दिया कि वर्तमान सरकार ने शिक्षा को बर्बाद कर दिया है और अब बदलाव ही एकमात्र रास्ता है।

इतना ही नहीं पश्चिम बंगाल सरकार ने जादवपुर विश्वविद्यालय के लिए केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित अतिरिक्त निधि को स्वीकार करने से

ममता सरकार की जिद से केंद्र सरकार से मिलने वाले 10 हजार करोड़ रुपए डूब गए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने पर यह राशि केंद्र सरकार से मिलने थी। ममता बनर्जी सरकार ने पश्चिम बंगाल में राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू नहीं की। ममता सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को अहंकार का मुद्दा बना लिया है।

इनकार कर दिया। जहां पूरा देश डिजिटल हो रहा है, वहां बंगाल के स्कूल पाषाण युग में जी रहे हैं। राष्ट्रीय स्तर पर स्कूलों में इंटरनेट की पहुंच 70% है, लेकिन पश्चिम बंगाल के सरकारी स्कूलों में यह आंकड़ा गिरकर महज 16% रह गया है। जून 2025 में, केंद्र सरकार ने मध्याह्न भोजन योजनाओं का लाभ उठाने वाले छात्रों की संख्या में आई तीव्र गिरावट पर चिंता व्यक्त की। केंद्र सरकार के स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग ने भी इस मामले में पश्चिम बंगाल सरकार से रिपोर्ट मांगी थी, जिसमें इसे राज्य में स्कूल छोड़ने वालों की संख्या में वृद्धि का मुख्य कारण बताया गया था।

इससे पहले, वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान पश्चिम बंगाल में मध्याह्न भोजन के लिए बजटीय आवंटन 2,377 करोड़ रुपये था। हालांकि, समीक्षाधीन वित्तीय वर्ष के दौरान वास्तविक उपयोग मात्र 515.04 करोड़ रुपये (21.66 प्रतिशत) था। इसका अर्थ यह है कि तीनों वित्तीय वर्षों को मिलाकर दोपहर के भोजन के लिए आवंटित बजट का औसत उपयोग प्रतिशत मात्र 16.96 प्रतिशत है। संभवतः, कम प्रतिशत उपयोग को ध्यान में रखते हुए, पश्चिम बंगाल सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए इस मद के अंतर्गत बजटीय आवंटन को घटाकर 1,150.90 करोड़ रुपये कर दिया है, जो कि 2023-24, 2024-25 और 2025-26 के संबंधित आंकड़ों की तुलना में काफी कम है।

शिक्षा के लिए बेशक धन नहीं हो किन्तु चुनाव जीतने के लिए ममता सरकार ने खजाने का मुंह खोल दिया है। वर्ष 2026 के विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बेरोजगार युवाओं के लिए राज्य के मासिक ₹1,500 भत्ते की शुरुआत 15 अगस्त से आगे बढ़ाकर 1 अप्रैल कर दी है। राज्य की महिलाओं के लिए लक्ष्मी भंडार प्रत्यक्ष नकद हस्तांतरण योजना के तहत मासिक भत्ते में ₹500 की वृद्धि भी की थी, जिसे पिछले सप्ताह 5 फरवरी को अंतरिम बजट पेश किए जाने के बाद फरवरी से लागू किया जा चुका है। सम्मानजनक वेतन वृद्धि की मांग को लेकर पश्चिम बंगाल के सरकारी स्कूलों के पैरा शिक्षकों विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। पैरा शिक्षकों को प्रति माह 10,000 से 13,000 रुपये के बीच वेतन मिलता है और वे संविदा आधार पर काम करते हैं।

देश में कर्ज के बोझ तले दबे सबसे बड़े राज्यों में पश्चिम बंगाल टॉप पर है। बंगाल को अपने राजस्व का 42 फीसदी हिस्सा सिर्फ ब्याज के भुगतान में खर्च करना पड़ा है। वित्त वर्ष 2025 में पश्चिम बंगाल पर ब्याज भुगतान का बोझ अन्य राज्यों की तुलना में सबसे ज्यादा था। राज्य को टैक्स और नॉन टैक्स रेवेन्यू से 1.09 लाख करोड़ रुपए मिले थे, लेकिन सिर्फ ब्याज भुगतान पर 45 हजार करोड़ से अधिक खर्च किए गए। इसका मतलब हुआ कि उसके राजस्व का 42 फीसदी हिस्सा तो ब्याज चुकाने में ही चला गया। पश्चिम बंगाल की आर्थिक सेहत खराब होने के साथ जिद के चलते शिक्षा की व्यवस्था भी लड़खड़ा रही है। हो सकता है विधानसभा चुनाव ममता की तृणमूल कांग्रेस जीत जाए किन्तु ममता बनर्जी की जिद के कारण इससे विकास की गति को रफ्तार नहीं मिल सकेगी।

बॉयफ्रेंड के साथ चली गई पत्नी, बेटी को भी ले गई साथ... सदमे में पति ने दे दी जान, बरेली में सनसनीखेज वारदात

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली के आंवला क्षेत्र के खजुआई गांव में पारिवारिक विवाद के बाद एक युवक ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक के परिजनों का आरोप है कि युवक की पत्नी अपने प्रेमी के साथ घर छोड़कर चली गई थी, जिससे आहत होकर युवक ने यह कदम उठा लिया। मामले में मृतक की भाभी की तहरीर पर पुलिस ने पत्नी और उसके प्रेमी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

परिजनों का आरोप है कि खजुआई गांव निवासी रामसेवक की शादी सीतारानी से हुई थी। दोनों के एक बेटा और एक बेटी हैं। परिवार का कहना है कि कुछ समय से सीतारानी का गांव के ही धर्मवीर नाम के युवक से प्रेम संबंध चल रहा था। इस बात को लेकर परिवार में कई बार विवाद भी हुआ था। रामसेवक के परिवार वालों ने कई बार सीतारानी को समझाने की कोशिश की, लेकिन उसके व्यवहार में कोई बदलाव नहीं आया।

पत्नी के जाने से टूटा रामसेवक

मृतक की भाभी गुड़िया पत्नी जगदीश ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि गुरुवार को सीतारानी अपनी बेटी को साथ लेकर घर से चली गई। जाते समय वह अपने साथ जेवर, कपड़े और अन्य जरूरी सामान भी ले गई। परिवार को बाद में पता चला कि वह अपने प्रेमी धर्मवीर के साथ कहीं चली गई है। पत्नी के इस तरह घर छोड़कर चले जाने से रामसेवक काफी परेशान और दुखी था। परिजनों का कहना है कि वह इस बात को लेकर बहुत तनाव में रहने लगा था। देर रात रामसेवक ने घर के अंदर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।

पुलिस ने शुरू की जांच

घटना की सूचना मिलने के बाद थाना प्रभारी सतीश कुमार और सीओ आंवला नितिन कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गुड़िया के मुताबिक, रात के समय जब वह किसी काम से रामसेवक के घर गईं तो दरवाजा खुला मिला। अंदर जाकर देखा तो रामसेवक का शव फंदे से लटका हुआ था। यह देखकर वह घबरा गईं और शोर मचा दिया। शोर सुनकर आसपास के लोग भी मौके पर पहुंच गए। गांव के लोगों की मदद से रामसेवक को फंदे से नीचे उतारा गया और तुरंत डॉक्टर के पास ले जाया गया। लेकिन डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

मौके पर फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया, जिसने घटनास्थल की जांच कर साक्ष्य जुटाए।

मृतक के भाई जगदीश ने पुलिस को बताया कि उन्हें शक है कि रामसेवक की हत्या की गई है। उनका आरोप है कि रामसेवक की पत्नी सीतारानी, उसके प्रेमी धर्मवीर और उनके साथियों विक्रम व सतीश ने मिलकर हत्या की और बाद में शव को फंदे से लटका दिया।

वहीं, थाना प्रभारी सतीश कुमार ने बताया कि शुरुआती जांच में मामला आत्महत्या का लग रहा है। हालांकि, मृतक की भाभी गुड़िया की तहरीर पर पत्नी सीतारानी और उसके प्रेमी धर्मवीर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है।

ऑपरेशन के बाद विवाहिता की मौत, मचाया हंगामा

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। शाहगंजकोतवाली क्षेत्र के बड़ागांव स्थित एक हॉस्पिटल में ऑपरेशन के बाद हुई विवाहिता की मौत पर परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन और चिकित्सकों पर लापरवाही का आरोप लगाया। घटना के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने अस्पताल में हंगामा किया, जिसके बाद भारी पुलिस बल मौके पर पहुंच कर किसी तरह से लोगों को शांत कराया।बताते है कि दिपाईपुर गांव निवासी यशपाल की पत्नी रेखा देवी बच्चेदानी के ऑपरेशन के लिए बड़ा गांव स्थित मां शांति अस्पताल में भर्ती हुई थीं। परिजनों ने बताया कि शुक्रवार रात करीब 10 बजे चिकित्सक ने ऑपरेशन किया। जिसके बाद रेखा देवी की तबीयत बिगड़ने लगी।परिजनों का आरोप है कि तबीयत बिगड़ने के बावजूद अस्पताल में कोई चिकित्सक मौजूद नहीं था। कर्मचारी ने फोन पर चिकित्सक से संपर्क करने के बाद इंजेक्शन लगाया। जिसके बाद रात करीब 3 बजे विवाहिता की मौत हो गई। परिजनों ने यह भी आरोप लगाया कि चिकित्सक द्वारा कराई गई जांच की रिपोर्ट आने से पहले ही ऑपरेशन कर दिया गया।अस्पताल में हंगामा की सूचना पर क्षेत्राधिकारी अजीत सिंह चैहान समेत सर्किल के कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंच गई। क्षेत्राधिकारी श्री चैहान ने परिजनों को शांत कराते हुए कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया। मृतका के देवर ने चिकित्सकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए तहरीर दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम भेजते हुए आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। घटना के बाद परिवार में मातम पसरा रहा।

नोएडा में कलयुगी बेटे ने पिता को जान से मार डाला, लोहे की रॉड से किया ऐसा वार, आंख निकलकर आ गई बाहर

आर्यावर्त संवाददाता

नोएडा। उत्तर प्रदेश के नोएडा स्थित एक्सप्रेसवे थाना क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। यहां। घर के खर्च को लेकर हुए विवाद में एक बेटे ने अपने ही पिता की बेरहमी से हत्या कर दी। गुस्से में कलयुगी बेटे ने पास में खड़े ट्रैक्टर की लोहे की रॉड निकालकर पिता के सिर पर कई वार किए। हमला इतना भीषण था कि पिता की मौके पर ही मौत हो गई और उनकी एक आंख तक बाहर निकल आई। इस घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है।

जानकारी के मुताबिक, मृतक की पहचान राकेश के रूप में हुई है, जो पेशे से ट्रक ड्राइवर थे। राकेश अपने परिवार के साथ एक्सप्रेसवे थाना क्षेत्र में रहते थे। उनका बेटा सत्येंद्र ओला कैब चलाता है। बताया जा रहा है कि सत्येंद्र की हाल ही में शादी हुई थी, लेकिन शादी के बाद भी वह घर के खर्च में कोई आर्थिक सहयोग नहीं कर रहा था। इसी बात को लेकर पिता-पुत्र में अक्सर कहासुनी होती रहती थी।

दोस्तों के सामने थप्पड़ पड़ा तो खो बैठा आपा

नोएडा के एसीपी थर्ड राकेश प्रताप सिंह ने बताया कि शनिवार देर शाम राकेश अपने कुछ दोस्तों के साथ शराब पी रहे थे। इसी दौरान बेटा सत्येंद्र वहां पहुंचा। पिता ने दोस्तों के सामने ही बेटे से घर के खर्च के लिए पैसे मांग लिए। सत्येंद्र ने पैसे देने से मना किया तो दोनों के बीच तीखी बहस शुरू हो गई। विवाद बढ़ने पर पिता ने गुस्से में आकर सत्येंद्र को एक के बाद एक कई थप्पड़ जड़ दिए।

सबके सामने थप्पड़ खाने से सत्येंद्र खुद को अपमानित महसूस करने लगा। अपमान की इसी आग में उसने पास ही खड़े ट्रैक्टर से लोहे की रॉड निकाली और पिता के सिर पर जोरदार प्रहार कर दिया। अचानक हुए इस जानलेवा हमले से राकेश लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़े और उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

आरोपी बेटा गिरफ्तार, जुर्म कबूला

वारदात की सूचना पाकर स्थानीय लोग इकट्ठा हो गए और पुलिस को जानकारी दी। मौके पर पहुंची एक्सप्रेसवे थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी सत्येंद्र को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

निरीक्षक की पुत्री ने यूपीएससी में 560वीं रैंक पाकर बढ़ाया मान

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय सुल्तानपुर में नियुक्त निरीक्षक राम सुमेर सरोज की बेटी शालिनी सरोज ने संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा-2025 में 560वीं रैंक हासिल किया है। यह भी महत्वपूर्ण है कि शालिनी ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से एम.ए. करने के बाद विगत तीन वर्षों से पीटीएस सुल्तानपुर में रहकर ही तैयारी कर रही थी और यहीं से सिलेक्शन प्राप्त किया। शालिनी का हिन्दी माध्यम से यह उपलब्धि प्राप्त करना भी गर्व का विषय है। ख़ुशी एवं प्रसन्नता के इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक / संस्था प्रमुख ब्रजेश कुमार मिश्र द्वारा आज शालिनी को सादे समारोह में सम्मानित कर बधाई एवं शुभकामनायें दी गयी। शालिनी ने पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय सुल्तानपुर कैंपस के शान्त शैक्षिक वातावरण की प्रशंसा की जिसके कारण उसे अध्ययन में आसानी हुई।

नौकरी लेखपाल की, काम रियल एस्टेट कारोबारी का, कमा डाले करोड़ों... अब बर्खास्त हुआ कानपुर का आलोक दुबे

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। यूपी के कानपुर में मंडलायुक्त के। विजयेन्द्र पांडियन ने आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने और पद के दुरुपयोग के गंभीर आरोपों में घिरे चर्चित लेखपाल आलोक दुबे को राजकीय सेवा से बर्खास्त कर दिया है। मंडलायुक्त ने जिलाधिकारी के मूल आदेश के विरुद्ध दायर उनकी अपील को पूर्णतः खारिज करते हुए यह कठोर कार्रवाई की है।

कानपुर में तैनात आलोक दुबे राजस्व निरीक्षक (कानूनगो) के पद पर तैनात रहते हुए भूमि क्रय-विक्रय के कारोबार में संलिप्त पाए गए थे। विभागीय जांच में यह स्पष्ट हुआ कि उन्होंने अपने पदीय कर्तव्यों का उचित निर्वहन नहीं किया तथा निजी लाभ के लिए पद का गलत इस्तेमाल किया। जांच में आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोप भी प्रमाणित हुए। जांच में पता चला था कि उनके नाम पर करोड़ों रुपये की अवैध संपत्ति है, जिसने पूरे मामले को सनसनीखेज बना दिया था। डीएम ने डिमोशन करते हुए उनको कानूनगो से लेखपाल बना दिया था जिसके खिलाफ अपील आलोक दुबे ने मंडलायुक्त के यहां की थी।।

मंडलायुक्त ने अपील की विस्तृत सुनवाई के उपरांत अपने आदेश में स्पष्ट किया कि अपीलकर्ता आलोक दुबे ने राजस्व निरीक्षक के रूप में पद और अधिकारों का दुरुपयोग कर निजी स्वार्थ सिद्ध किया। उन्होंने भूमि सौदों में अनुचित हस्तक्षेप किया और आय से असंगत संपत्ति अर्जित की। यह कृत्य अत्यंत गंभीर प्रकृति का है तथा उत्तर प्रदेश सरकारी सेवा (आचरण) नियमावली, 1956 के नियम 15, 21(1) तथा 24(1) का स्पष्ट उल्लंघन है। उन्होंने यह भी कहा कि आलोक दुबे ने एक रियल एस्टेट कारोबारी की तरह संपत्ति अर्जित की है।

भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन का संदेश

आदेश में मंडलायुक्त ने कहा- ऐसे कर्मचारी को राजकीय सेवा में बनाए रखना जनहित, प्रशासनिक नैतिकता तथा विभागीय अनुशासन के विरुद्ध है। भ्रष्टाचार के ऐसे मामलों में कड़ी कार्रवाई अनिवार्य है ताकि अन्य कर्मचारियों के लिए भी यह चेतावनी बने। उन्होंने अपील को निरस्त करते हुए आलोक दुबे (तत्कालीन राजस्व निरीक्षक, वर्तमान लेखपाल) को तत्काल प्रभाव से पदच्युत कर राजकीय सेवा से बर्खास्त करने का आदेश दिया। आदेश की प्रति जिलाधिकारी कानपुर नगर तथा संबंधित कर्मचारी को तुरंत प्रेषित कर दी गई है।

यह मामला वर्ष 2025 में तब सुर्खियों में आया था जब आलोक दुबे को पहले कानूनगो से पदावनत कर लेखपाल बनाया गया था। उसके बाद भी विभागीय जांच और अपील प्रक्रिया चलती रही। अब मंडलायुक्त के इस अंतिम फैसले से विभाग में साफ-सफाई की मुहिम को नई गति मिली है। प्रशासनिक सूत्रों का कहना है कि ऐसे मामलों में भविष्य में भी कोई ढील नहीं बरती जाएगी।

चार बार नाकामयाब, फिर पांचवीं बार में ऐसे क्रैक किया यूपीएससी ... IAS बने बिजनौर के असद अकील अंसारी की कहानी

आर्यावर्त संवाददाता

बिजनौर। उत्तर प्रदेश में बिजनौर जिले के नगीना क्षेत्र के मोहल्ला छिप्पीपाड़ा के निवासी असद अकील अंसारी ने संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में सफलता हासिल कर जिले का गौरव बढ़ाया है। उनकी सफलता की खबर मिलते ही परिवार, रिश्तेदारों और स्थानीय लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई। घर पर बधाई देने वालों का सिलसिला लगातार जारी है। बड़ी संख्या में लोग उनके घर पहुंची हैं। हालांकि, असद की ये सफलता सिर्फ के प्रेरणा ही नहीं है, बल्कि युवाओं को कम संसाधन में बड़े लक्ष्यों को कैसे हासिल किया जा सकता है, उसके लिए भी प्रेरित करने वाली है।

असद अकील अंसारी का परिवार एक साधारण पृष्ठभूमि से आता है। उनके पिता नगीना में एक छोटी बेकरी का संचालन करते हैं, जबकि उनकी मां गृहिणी हैं। आर्थिक परिस्थितियां बहुत मजबूत नहीं होने के बावजूद परिवार ने हमेशा शिक्षा को प्राथमिकता दी और असद ने अपनी मेहनत से इस भरोसे को सच साबित कर दिया। असद पढ़ाई में शुरू से ही तेज छात्र रहे। उनके पिता के अनुसार उन्होंने 10वीं और 12वीं दोनों कक्षाओं में अपने स्कूल में टॉप किया था। 12वीं कक्षा में उन्होंने पीसीएम (फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथ्स) विषयों का चयन किया और इसी दौरान उन्होंने बड़े लक्ष्य तय कर लिए थे।

दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित कॉलेज से पढ़ाई

स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद असद ने उच्च शिक्षा के लिए दिल्ली का रुख किया। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित हिन्दू कॉलेज से बीएससी की पढ़ाई पूरी की। कॉलेज के दौरान ही उन्होंने सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी को गंभीरता से शुरू कर दिया था। असद की यह सफलता एक लंबी और कठिन यात्रा के बाद आई है। यह उनका पांचवां प्रयास था। पहले तीन प्रयासों में वे प्रारंभिक परीक्षा ही पास नहीं कर सके। चौथे प्रयास में उन्होंने शानदार वापसी करते हुए इंटरव्यू तक का सफर तय किया, लेकिन अंतिम मेरिट सूची में उनका नाम शामिल नहीं हो पाया। इसके बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और पांचवें प्रयास में आखिरकार सफलता हासिल कर ली। सिविल सेवा परीक्षा की मुख्य परीक्षा के लिए असद ने सोशियोलॉजी को अपना वैकल्पिक विषय चुना। लगातार अध्ययन और विषय की गहरी समझ ने उन्हें इस विषय में बेहतर प्रदर्शन करने में मदद की।

बिना कोचिंग हासिल की सफलता

असद की सफलता की सबसे खास बात यह है कि उन्होंने कभी किसी कोचिंग संस्थान का सहारा नहीं लिया। उनके पिता ने बताया कि परिवार की आर्थिक स्थिति को देखते हुए महंगी कोचिंग कराना संभव नहीं था। ऐसे में असद ने सेल्फ स्टडी, किताबों और नियमित अभ्यास के जरिए अपनी तैयारी जारी रखी।

युवाओं के लिए प्रेरणा

असद अकील अंसारी की सफलता यह साबित करती है कि मजबूत इरादे और लगातार मेहनत के सामने संसाधनों की कमी भी बड़ी बाधा नहीं बन पाती। उनकी उपलब्धि पर स्थानीय लोगों, शिक्षकों और समाज के विभिन्न वर्गों ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि असद ने न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे नगीना और बिजनौर जिले का नाम रोशन किया है।

लेन-देन में युवक को बुरी तरह से पीटा, मौत

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। बदलापुर तहसील क्षेत्र के कुशहां गांव में एक युवक राजीव जैसवार की कथित मारपीट के बाद मौत हो गई है। परिजनों ने आरोप लगाया है कि पैसे के लेन-देन के विवाद में दो लोगों ने राजीव को बुरी तरह पीटा, जिससे उनकी हालत गंभीर हो गई और इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। परिजनों के अनुसार, राजीव जैसवार रामनगर बाजार में एक व्यापारी के यहां ड्राइवर का काम करते थे। उन्होंने कुछ समय पहले आर्थिक तंगी के कारण अपने मालिक से कुछ रुपए उधार लिए थे। इसी लेन-देन को लेकर विवाद चल रहा था। आरोप है कि राजीव अपने साले के साथ रामनगर बाजार पहुंचे थे, जहां पहले से मौजूद दो लोगों ने उनसे अपने पैसे की मांग करते हुए गाली-गलौज शुरू कर दी। परिजनों का आरोप है कि राजीव द्वारा विरोध करने पर दोनों लोगों ने मिलकर उन्हें लात-घूंसों से बुरी तरह पीटा। बीच-बचाव करने पर भी आरोपियों ने धमकी दी। गंभीर हालत में परिजनों ने राजीव को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। कुछ दिनों के इलाज के बाद शनिवार सुबह उनकी मौत हो गई। मृतक का शव उनके निवास स्थान बदलापुर कोतवाली क्षेत्र के घनश्यामपुर कुशहां पहुंचते ही परिवार में कोहराम मच गया। मामला बढ़ता देख एसपी ग्रामीण अतिश कुमार सिंह, बदलापुर एसडीएम योगिता सिंह, सीओ सुनील कुमार और बदलापुर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक शेष कुमार शुक्ला भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने परिजनों को समझा-बुझाकर मामले की जांच और आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

उत्तर प्रदेश SIR पर बड़ा अपडेट, 10 अप्रैल को आएगी फाइनल वोटर लिस्ट, 84 लाख से अधिक लोगों ने भरे फॉर्म-6

आर्यावर्त संवाददाता

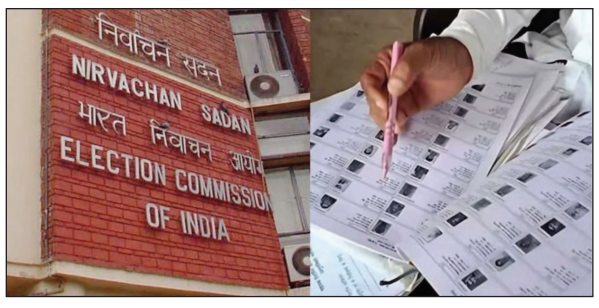

कानपुर। उत्तर प्रदेश में 2027 में विधानसभा चुनाव है। उससे पहले प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रकिया चल रही है। इस बीच शनिवार को यूपी SIR को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। चुनाव आयोग के मुताबिक, प्रदेश की फाइनल वोटर लिस्ट 10 अप्रैल को जारी कर दी जाएगी। इससे पहले अब तक 86 लाख से अधिक लोगों ने मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए फॉर्म-6 भरा है, जबकि 3 लाख से ज्यादा लोगों ने अपना नाम हटवाने के लिए फॉर्म-7 जमा किया है।

चुनाव आयोग के मुताबिक, पिछले करीब पिछले 24 घंटे के दौरान भी बड़ी संख्या में आवेदन आए हैं। इस दौरान 1.66 लाख लोगों ने फॉर्म-6 भरकर मतदाता सूची में नाम शामिल कराने का आवेदन किया, जबकि 7,329 लोगों ने फॉर्म-7 के जरिए अपना नाम हटाने की मांग की। शुक्रवार को दावे और आपत्तियां दाखिल करने की अंतिम तिथि समाप्त हो गई। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा के अनुसार 6 जनवरी को ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी होने के बाद से 6 मार्च तक 70,69,810 लोगों ने फॉर्म-6 भरकर नाम जुड़वाने के लिए आवेदन किया। वहीं 2,642 लोगों ने फॉर्म-6 (ए) भरा है। इसी अवधि के दौरान 2,68,682 लाख लोगों ने फॉर्म-7 भरकर मतदाता सूची से अपना नाम हटाने का आवेदन किया है।

3.26 करोड़ मतदाताओं की सुनवाई 27 मार्च तक

चुनाव आयोग के मुताबिक, ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी होने से पहले भी बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त हुए थे। इस दौरान 16,18,574 लोगों ने मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए आवेदन किया, जबकि 49,399 लोगों ने अपना नाम हटाने के लिए आवेदन दिया था। अब दावे और आपत्तियों की अवधि समाप्त होने के बाद अगला चरण सुनवाई का होगा। चुनाव आयोग की ओर से नोटिस पाने वाले करीब 3.26 करोड़ मतदाताओं की सुनवाई 27 मार्च तक की जाएगी। इसके बाद सभी मामलों का निस्तारण कर अंतिम मतदाता सूची तैयार की जाएगी, जिसे 10 अप्रैल को प्रकाशित किया जाएगा।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी के अनुसार प्रदेश में 1.04 करोड़ ऐसे मतदाता हैं जिनके नाम का मिलान वर्ष 2003 की मतदाता सूची से नहीं हो पाया है। इसके अलावा करीब 2.22 करोड़ मतदाताओं के नामों में तार्किक विसंगतियां पाई गई हैं, जिनकी जांच की जा रही है।

राजनीतिक दलों की भूमिका रही सीमित

वहीं बताया जा रहा है कि इस प्रकिया के दौरान राजनीतिक दलों की भूमिका ज्यादा खास नहीं रही है। आयोग ने जारी आंकड़ों में बताया है, अब तक 84 लाख से अधिक फॉर्म-6 भरे गए हैं, जिनमें से केवल 40,643 फॉर्म ही राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंटों के माध्यम से भरवाए गए हैं। इनमें सबसे अधिक 26,253 फॉर्म भाजपा के बीएलए ने भरवाए हैं। बता दें यूपी में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) प्रक्रिया के बाद चुनाव आयोग ने 6 जनवरी को ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी की थी। इस ड्राफ्ट में कुल 2.89 करोड़ मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। आयोग के अनुसार, यह सूची 12 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में चल रही एसआईआर प्रक्रिया के तहत तैयार की गई है, जिसकी शुरुआत 27 अक्टूबर से हुई थी।

स्वीकृत सड़क छोड़ दूसरी जगह बन रही सड़क, जेई पर मिलीभगत के आरोप

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। लोक निर्माण विभाग की कार्यशैली एक बार फिर सवालों के घेरे में है। जयसिंहपुर क्षेत्र के माधवपुर छतौना गांव में स्वीकृत सड़क निर्माण कार्य को लेकर विभाग पर मनमानी का आरोप लगा है। जानकारी के अनुसार डफली का पुरवा माधवपुर छतौना संपर्क मार्ग के नव निर्माण के लिए करीब 79 लाख रुपये की योजना स्वीकृत हुई है। इस योजना के तहत करीब 1200 मीटर सड़क निर्माण का प्रस्ताव है। आरोप है कि विभाग ने स्वीकृत मार्ग पर काम कराने के बजाय सड़क को दूसरे पुरवा में बनवाना शुरू कर दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि डफली का पुरवा में पहले से सीधा मार्ग मौजूद है और वहीं सड़क की पूरी लंबाई भी निकलती है, इसके बावजूद निर्माण कार्य दूसरी जगह कराया जा रहा है। आरोप यह भी है कि जेई रवि मौर्य की सह पर ठेकेदार सड़क को कई टुकड़ों में बांटकर लंबाई पूरी दिखाने की कोशिश कर रहा है, जो नियमों के खिलाफ बताया जा रहा है। गांव के पूर्व प्रधान ने जब इस संबंध में जेई से फोन पर बात की तो उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि अब सड़क जहां बन रही है, वहीं बनेगी, इसमें कोई बदलाव नहीं होगा। इस मामले को लेकर पूर्व प्रधान ने आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायत दर्ज कर मुख्यमंत्री और जिलाधिकारी से हस्तक्षेप की मांग की है। शिकायत में कहा गया है कि जिस मार्ग के नाम से सड़क स्वीकृत हुई है, निर्माण कार्य भी उसी मार्ग पर कराया जाए। साथ ही मनमाने ढंग से हो रहे निर्माण को तत्काल रोका जाए और जिम्मेदार जेई के खिलाफ कार्रवाई की जाए। ग्रामीणों का आरोप है कि यदि समय रहते जांच नहीं हुई तो सरकारी धन की बर्बादी के साथ-साथ नियमों की खुली अनदेखी का यह मामला बड़ा घोटाला साबित हो सकता है। अब सवाल यह है कि क्या जिम्मेदार अधिकारियों की इस लापरवाही पर कार्रवाई होगी, या फिर सरकारी योजनाएं इसी तरह कागजों में ही रास्ता बदलती रहेंगी?

मां-बहन या ऑफिस कलीगहर महिला के लिए बेस्ट हैं ये गिफ्ट्स

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस हर साल 8 मार्च को सेलिब्रेट किया जाता है। ये दिन हर एक महिला को सम्मान देने और उन्हें थैंक्यू कहने का मौका होता है। आपकी जिंदगी में वह कोई भी महिला जो आपकी प्रेरणा रही है या जिंदगी में हमेशा साथ रही है और प्यार की हकदार है उसे इस खास दिन पर आप एक छोटा सा गिफ्ट देकर शुक्रिया कह सकते हैं।

मां से लेकर वाइफ, सिस्टर, दोस्त या फिर आपकी ऑफिस की कोई सहकर्मी हो। कभी न कभी और कोई न कोई ऐसी महिला जरूरी होती है जो हमारी जिंदगी को प्रेरणा, प्रेम, ताकत से देती है। वह आपके अच्छे और बुरे हर वक्त हमें हमेशा साथ देती हैं। ऐसी हर महिला खास महसूस करने की हकदार है। इसके लिए किसी स्पेशल डे की जरूरत नहीं होती है आप उन्हें हर दिन थैंक्यू कह सकते हैं। फिलहाल महिला दिवस एक खास मौका है जब एक छोटा-सा लेकिन दिल से दिया गया तोहफा उन्हें यह अहसास देता है कि वो आपकी जिंदगी में बेहद मायने रखती हैं। इस आर्टिकल में जानेंगे कुछ ऐसे गिफ्ट आइडिया के बारे में जो हर महिला के लिए बेस्ट रहेंगे।

महिला दिवस पर हमें एक ऐसा उपहार देना अच्छा आइडिया है जो उनकी सेल्फ केयर से जुड़ा हो और साथ ही उन्हें खुशी भी महसूस करवाए। दरअसल इस तरह के तोहफे उन्हें डेली रूटीन की भागदौड़, जिम्मेदारियों से थोड़ी राहत दिते हैं। तो चलिए देख लेते हैं कुछ पैम्परिंग गिफ्ट्स।

बाथ और बॉडी केयर गिफ्ट सेट

महिला दिवस के मौके पर आप बाथ और बॉडी केयर गिफ्ट सेट दे सकते हैं जो एक शानदार गिफ्ट ऑप्शन है। खासतौर पर अगर आप किसी महिला को आराम और सुकून का अहसास देना चाहते हैं। इन सेट्स में बॉडी स्क्रब, शॉवर क्रीम और बॉडी बटर जैसे प्रोडक्ट्स शामिल होते हैं जिससे घर पर ही स्पा जैसा एक्सपीरियंस मिलता है।

स्किनकेयर गिफ्ट सेट

हेल्दी और ग्लोइंग स्किन हर महिला पाना चाहती है और वह इसके लिए काफी कन्सर्न भी रहती हैं। महिला दिवस के मौके पर उन्हें स्किनकेयर गिफ्ट सेट देना भी अच्छा आइडिया है। इस सेट में आप क्लींजर, टोनर, स्क्रब, फेस मास्क, विटामिन सी सीरम, मॉइस्चराइजर जैसे प्रोडक्ट को शामिल कर सकते हैं। इससे वह सेल्फ केयर पर ध्यान दे पाएंगी।

फ्रेगरेंस गिफ्ट भी रहते हैं बेस्ट

महिलाओं को आप महिला दिवस के मौके पर फ्रेगरेंस बेस्ड गिफ्ट भी दे सकते हैं। इसमें फ्लोरल, फ्रेश या वुडी खुशबू वाली चीजें चुन सकते हैं। जैसे उनका पसंदीदा परफ्यूम, इत्र, बॉडी मिस्ट।जो हर बार उन्हें आपकी याद दिलाएगा। इसके अलावा आप फ्रेगरेंस वाली मोमबत्तियां, डिफ्यूजर, एसेंशियल ऑयल, जैसी चीजें भी गिफ्ट में दे सकते हैं।

ये ज्वेलरी आइडिया हैं बेस्ट

आपकी कोई ऑफिस कलीग हो, दोस्त या फिर पर्सनल लाइफ की महिला, आप ज्वेलरी गिफ्ट कर सकते हैं। इसमें आप आर्टिफिशियल ज्वेलरी ऑप्शन चुन सकते हैं और सोने या फिर चांदी की चीजें भी ली जा सकती हैं। सबसे बढ़िया रहता है कि आप सुंदर से झुमके खरीदें। इसके अलावा आप एक सेट खरीद सकते हैं जिसमें लाइट वेट नेकचेन, स्टड और रिंग शामिल हो। चांदी में कुछ खरीदना है तो पायल बेस्ट रहती हैं या फिर रिंग भी ले सकते हैं। सोने का कुछ गिफ्ट देना है तो आप नोजरिंग दे सकते हैं। स्टड या छोटी बालियां खरीद सकते हैं।

कस्टमाइज्ड गिफ्ट हैम्पर दें

अगर आप अपनी लाइफ की स्पेशल वुमन को थोड़ा अलग और खास गिफ्ट देना चाहते हैं, तो कस्टमाइज़्ड गिफ्ट हैम्पर तैयार करवाएं। इसमें आप उनकी पसंद के अलग-अलग प्रोडक्ट्स जैसे हैंड क्रीम, परफ्यूम, लाइट वेट जूलरी, लिप बाम, बॉडी मसाजर, लिपस्टिक सेट, नेलपेंट्स, बॉडी बटर, कोई प्यारा सा फोटो फ्रेम, हेयर एसेससरीज जैसी चीजें एड कर सकते हैं।

कहीं कल्चरल फेस्टिवल, कहीं कमाल नजारा...अप्रैल में घूमने के लिए भारत में 5 बेस्ट जगहें

भारत में न सिर्फ सांस्कृतिक विविधता टूरिस्ट को अट्रैक्ट करती है, बल्कि हमारे यहां की नेचुरल ब्यूटी भी कमाल की है। हमारे यहां हर चीज में डायवर्सिटी है और यही देश की असली खूबसूरती है। अप्रैल के महीने में आप कुछ जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं, जहां कल्चरल फेस्टिवल से लेकर खूबसूरत नजारे भी कमाल के हैं।

अप्रैल का महीना गर्मियों की शुरुआत होती है। हालांकि इस दौरान मौसम थोड़ा गर्म हो चुका होता है, लेकिन इस मंथ में देश की कुछ जगहों को एक्सप्लोर करना आपके लिए कमाल का एक्सपीरियंस रहेगा। दरअसल इस दौरान देश की अलग-अलग जगहों पर कल्चरल फेस्टिवल होते हैं तो कुछ जगहों की नेचुरल ब्यूटी भी देखने लायक होती है। अप्रैल एक ऐसा समय होता है जब कई राज्यों में नए साल और फसल से जुड़े त्योहार सेलिब्रेट किए जाते हैं। वहीं कुछ पहाड़ी इलाकों में वसंत के खूबसूरत नजारे पीक पर होते हैं। मैदानी इलाकों में इस दौरान गर्मी बढ़ना शुरू हो जाती है, इसलिए लोग ठंडी और प्राकृतिक जगहों का रुख करते हैं।

अप्रैल में अगर आप कहीं की ट्रिप प्लान कर रहे हैं तो पहले ही आपको ये जान लेना चाहिए कि आपके लिए कौन सी डेस्टिनेशन बेस्ट रहेंगी। दरअसल हम जब कहीं जाने की बात करते हैं तो सिर्फ घूमना ही उद्देश्य नहीं होता है, बल्कि हम किसी जगह की संस्कृति को जानते हैं। तो चलिए देख लेते हैं देश के कुछ ऐसे डेस्टिनेशन हैं जहां अप्रैल में जाने का एक्सपीरियंस रहेगा कुछ खास।

केरल में कमाल रहेगा एक्सपीरियंस

साउथ इंडिया के राज्य केरल में अप्रैल के दौरान विशु पर्व मनाते हैं। ये दिन मलयाली नववर्ष की शुरुआत का प्रतीक है। इस अवसर पर घरों के अलावा मंदिरों में खास पूजा अनुष्ठान किए जाते हैं। इस समय यहां का मौसम भी सुहाना रहता है। आप बैकवॉटर्स और पहाड़ी इलाकों की यात्रा कर सकते हैं जो अमेजिंग एक्सपीरियंस रहेगा। इस दौरान यहां का एनवायरमेंट बेहद शांत और खूबसूरत रहता है।

लद्दाख का ब्लॉसम टाइम है अप्रैल

अप्रैल में लद्दाख जाएं। वैसे तो इस जगह को बर्फीली पहाड़ियों के लिए जाना जाता है, लेकिन अप्रैल के महीने में यहां का नजारा बेहद मनमोहक हो जाता है। दरअसल इस समय यहां 'खुबानी के फूल; (Apricot Blossom) खिलते हैं। सफेद और गुलाबी फूलों से लदे हुए पेड़ और घाटियों का नजारा बेहद खूबसूरत हो जाता है। इसके अलावा सर्दियों के बाद अप्रैल के महीने में रास्ते भी खुलने लगते हैं, इसलिए आप यहां के मठों, गांवों में जा सकते हैं, जहां आध्यात्मिक शांति के साथ ही प्राकृतिक दृश्यों की ब्यूटी आपको सुकून से भर देती है।

नागालैंड में आओलांग फेस्टिवल

अप्रैल में आप नागालैंड की ट्रिप प्लान कर सकते हैं। यहां का एक्सपीरियंस इसलिए खास रहेगा, क्योंकि इस समय यहां आओलांग फेस्टिवलसेलिब्रेट किया जाता है। इसे कोन्याक जनजाति द्वारा मनाया जाता है, जो वसंत और नई फसल के मौसम का स्वागत की खुशी में मनाते हैं। इस दौरान रंग-बिरंगे पारंपरिक कपड़े, लोक नृत्य होता है। ग्रुप्स में दावतें दी जाती हैं जो आपके लिए एक यूनिक एक्सपीरियंस रहेगा। इसके अलावा पहाड़ियों से घिरे गांव और स्थानीय संस्कृति को करीब से देखने के लिए ये बेस्ट टाइम होता है।

अरुणाचल प्रदेश जाएं

अप्रैल के महीने में अरुणाचल प्रदेश की ट्रिप बनाएं। यहां के पश्चिमी हिस्सों में अप्रैल के दौरान मोपिन फेस्टिवल सेलिब्रेट करते हैं।गालो जनजाति(Galo tribe) काये एक सांस्कृतिक त्योहार होता है जिसमें समृद्धि की कामना करते हैं। इसे नए कृषि वर्ष की शुरुआत भी माना जाता है। इस दौरान आपको यहां पर लोगों का पारंपरिक नृत्य में शामिल होने का मौका मिलेगा। इसके अलावा विशेष अनुष्ठान भी किए जाते हैं। वहीं अप्रैल में यहां का मौसम बिल्कुल साफ होता है, नेचुरल ब्यूटी देखने के लायक होती है। पहाड़ी रास्तों पर चलते हुए आसपास की घाटियों का नजारा आपके दिल को छू जाएगा।

नीलगिरि हिल्स, तमिलनाडु

साउथ में आप केरल के अलावा अप्रैल के महीने में तमिलनाडु के नीलगिरि क्षेत्र में स्थित ऊटी और कूनूर जैसे हिल स्टेशन जा सकते हैं। ये यहां घूमने के लिए बेस्ट टाइम माना जाता है। यहां का मौसम भी इस टाइम सुहावना रहता है। चाय के दूर तक फैले हुए बागान, हरे-भरे जंगल और सुंदर ट्रेकिंग ट्रेल्स अट्रैक्शन पॉइंट होते हैं। इसके अलावा मई की भीड़ शुरू होने से पहले अप्रैल में इस जगह को एक्सप्लोर कर लेना बेस्ट रहता है।

हमलों के बाद दुबई में निवेशकों की चिंता बढ़ी, सिंगापुर-हांगकांग बने विकल्प

ईरान से बढ़ते तनाव के बाद कुछ अमीर एशियाई निवेशक दुबई में रखी अपनी संपत्ति को सिंगापुर–हांगकांग जैसे वित्तीय केंद्रों में शिफ्ट करने पर विचार कर रहे हैं, हालांकि कई निवेशक अभी हालात पर नजर बनाए हुए हैं।

ईरान के साथ बढ़ते तनाव और हालिया मिसाइल हमलों के बाद खाड़ी क्षेत्र में निवेश को लेकर कुछ अमीर एशियाई निवेशकों की चिंता बढ़ गई है। इसी वजह से कई लोग दुबई में रखी अपनी संपत्ति को दूसरे सुरक्षित वित्तीय केंद्रों में शिफ्ट करने पर विचार कर रहे हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक यह रुझान खासकर एशियाई कारोबारियों और अमीर परिवारों में देखने को मिल रहा है।

दुबई से संपत्ति शिफ्ट करने की कोशिश

रिपोर्ट के मुताबिक पिछले हफ्ते ईरानी मिसाइल और ड्रोन हमलों के बाद दुबई में रहने वाले दो भारतीय उद्यमियों ने अपने बैंक खातों से 1 लाख डॉलर से ज्यादा की रकम Singapore ट्रांसफर करने की कोशिश की। उनका उद्देश्य संभावित जोखिम से बचाव करना था। हालांकि हमलों के बाद आई तकनीकी समस्याओं के कारण शुरुआत में यह ट्रांसफर नहीं हो पाया। बाद में उनमें से एक उद्यमी ने दुबई के ही दूसरे बैंक के जरिए रकम सिंगापुर भेजने में सफलता हासिल की।

सिंगापुर और हांगकांग बन रहे विकल्प

उद्योग से जुड़े सलाहकारों और वकीलों के अनुसार कई अमीर एशियाई निवेशक दुबई में रखी अपनी संपत्ति को Singapore और Hong Kong जैसे वित्तीय केंद्रों में स्थानांतरित करने के विकल्प तलाश रहे हैं। दरअसल अमेरिका और इज़राइल के साथ ईरान के बढ़ते संघर्ष ने खाड़ी क्षेत्र की सुरक्षित निवेश वाली छवि को लेकर कुछ निवेशकों को सतर्क कर दिया है।

दुबई बना था एशियाई निवेशकों का पसंदीदा केंद्र

पिछले कुछ वर्षों में दुबई एशिया के अमीर कारोबारियों और परिवारों के लिए एक प्रमुख वेल्थ हब बनकर उभरा है। खासकर चीन और अन्य एशियाई देशों के निवेशकों ने यहां बड़ी मात्रा में पूंजी लगाई है। खाड़ी क्षेत्र में रियल एस्टेट और इंफ्रास्ट्रक्चर के तेजी से बढ़ते बाजार ने भी निवेशकों को आकर्षित किया है। यूएई के केंद्रीय बैंक के अनुसार देश के बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र की कुल संपत्ति 5।42 ट्रिलियन दिरहम (लगभग 1।48 ट्रिलियन डॉलर) से ज्यादा हो चुकी है।

कुछ निवेशक अभी भी वेट एंड वॉच मोड में

हालांकि सभी निवेशक तुरंत पूंजी निकालने के पक्ष में नहीं हैं। कई वेल्थ मैनेजमेंट कंपनियों का कहना है कि उनके ग्राहक फिलहाल हालात पर नजर बनाए हुए हैं और जल्दबाजी में कोई फैसला नहीं लेना चाहते। यूएई के केंद्रीय बैंक ने भी कहा है कि देश का बैंकिंग और वित्तीय तंत्र मजबूत और स्थिर है तथा सभी बैंक और वित्तीय संस्थान सामान्य रूप से काम कर रहे हैं। ऐसे में फिलहाल कई निवेशक स्थिति साफ होने का इंतजार कर रहे हैं।

बिहार में वित्तीय सेवाओं का दायरा बढ़ाएगी आईसीएल फिनकॉर्प, पटना में नया रीजनल ऑफिस शुरू

देश की प्रमुख नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी आईसीएल फिनकॉर्प बिहार की राजधानी Patna में अपने कारोबार का विस्तार करने जा रही है। कंपनी यहां अपने नए क्षेत्रीय कार्यालय के साथ तीन नई शाखाओं की शुरुआत करेगी। इस अवसर पर एक विशेष उद्घाटन समारोह का आयोजन किया जाएगा।

कंपनी की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार उद्घाटन कार्यक्रम 7 मार्च 2026, शनिवार को दोपहर 2 बजे आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम Taj City Centre में होगा। इस आयोजन के साथ कंपनी बिहार में अपने वित्तीय नेटवर्क को और मजबूत बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाएगी।

केंद्रीय मंत्री होंगे मुख्य अतिथि

उद्घाटन समारोह में केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री जीतन राम मांझी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम में रितुराज कुमार विशेष अतिथि के तौर पर मौजूद रहेंगे। समारोह की अध्यक्षता कंपनी के CMD एडवोकेट के. जी. अनिलकुमार करेंगे। वहीं कंपनी की वाइस चेयरपर्सन और CEO स्मिता अनिलकुमार दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत करेंगी। इसके अलावा कंपनी की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ। राजश्री अलीथ स्वागत भाषण देंगी, जबकि AGM ऑपरेशन्स सतीशन के.पी. धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करेंगे।

तीन नई शाखाओं की भी शुरुआत

कंपनी के अनुसार नया क्षेत्रीय कार्यालय कंकड़बाग स्थित शिव लक्ष्मी प्लाजा-2, ओल्ड बाइपास रोड में स्थापित किया गया है। इसके साथ ही शहर के राजेंद्र नगर, मैनपुरा और दानापुर में तीन नई शाखाएं भी शुरू की जा रही हैं। इन शाखाओं के जरिए कंपनी स्थानीय ग्राहकों तक अपनी वित्तीय सेवाओं की पहुंच बढ़ाने की योजना बना रही है। इससे छोटे कारोबारियों, उद्यमियों और आम लोगों को वित्तीय सहायता और सेवाएं आसानी से मिल सकेंगी।

स्थानीय कारोबार और उद्यमिता को मिलेगा बढ़ावा

कंपनी का मानना है कि बिहार जैसे तेजी से विकसित हो रहे बाजार में वित्तीय सेवाओं का विस्तार काफी महत्वपूर्ण है। नए क्षेत्रीय कार्यालय और शाखाओं के शुरू होने से न केवल ग्राहकों को बेहतर और भरोसेमंद सेवाएं मिलेंगी, बल्कि स्थानीय व्यापार और उद्यमिता को भी बढ़ावा मिलेगा। कंपनी का कहना है कि उसका लक्ष्य देश के विभिन्न राज्यों में अपनी मौजूदगी बढ़ाते हुए अधिक से अधिक लोगों को समावेशी और सुलभ वित्तीय सेवाएं उपलब्ध कराना है।

भारत में नहीं होगी रसोई गैस की किल्लत, सरकार ने दिया बड़ा आदेश

अमेरिका-ईरान युद्ध के बीच सरकार ने तेल रिफाइनरियों को LPG का प्रोडक्शन बढ़ाने का आदेश दिया है। सरकार ने कहा है कि वे LPG का उत्पादन ज्यादा से ज्यादा करें और सबसे पहले देश के अंदर इसकी सप्लाई सुनिश्चित करें। यह फैसला इसलिए लिया गया है क्योंकि दुनिया के ऊर्जा बाजार में अनिश्चितता बढ़ रही है और सरकार चाहती है कि लोगों को खाना बनाने वाली गैस की कमी न हो।

रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, गुरुवार को जारी एक सरकारी आदेश में रिफाइनरियों को निर्देश दिया गया है कि वे एलपीजी का उत्पादन बढ़ाएं और यह गैस सिर्फ तीन सरकारी तेल कंपनियों इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड को ही बेचें।

यह फैसला ऐसे समय में लिया गया है जब पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण वैश्विक ऊर्जा सप्लाई और समुद्री रास्तों में बाधा आने की चिंता बढ़ गई है। खासकर स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज से तेल और गैस की बड़ी मात्रा दुनिया भर में भेजी जाती है, इसलिए वहां कोई भी समस्या सप्लाई को प्रभावित कर सकती है।

सरकारी आदेश में यह भी कहा गया है कि एलपीजी बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाले दो मुख्य पदार्थ प्रोपेन और ब्यूटेन को पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्री में इस्तेमाल करने के लिए नहीं मोड़ा जाए। इसके अलावा तीनों तेल कंपनियों को यह भी सुनिश्चित करने को कहा गया है कि एलपीजी की सप्लाई केवल घरेलू उपभोक्ताओं को ही दी जाए। एलपीजी गैस भारत के ज्यादातर घरों में खाना बनाने के लिए इस्तेमाल होती है। यह मुख्य रूप से प्रोपेन और ब्यूटेन गैस का मिश्रण होती है। सरकार का यह कदम इसलिए उठाया गया है ताकि अगर वैश्विक सप्लाई में कोई रुकावट आती है तो भी देश में घरों के लिए एलपीजी की पर्याप्त उपलब्धता बनी रहे।

भारत में एलपीजी का उत्पादन बढ़ रहा है, फिर भी देश को अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा विदेशों से मंगाना पड़ता है। भारत अपनी कुल एलपीजी जरूरत का लगभग 60% आयात करता है। इसका मतलब है कि अंतरराष्ट्रीय कीमतों में उतार-चढ़ाव या समुद्री रास्तों में बाधा आने पर देश की सप्लाई प्रभावित हो सकती है। इसी कारण रिफाइनरियों को एलपीजी उत्पादन बढ़ाने और प्रोपेन-ब्यूटेन को पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्री में भेजने से रोकने का फैसला लिया गया है, ताकि जरूरत पड़ने पर घरेलू गैस की सप्लाई सुरक्षित रखी जा सके।

ईरान पर हमलों के बीच अमेरिका ने इस देश में की सैन्य कार्रवाई, नार्को–आतंकवाद के खात्मे का ऑपरेशन सफल

फ्लोरिडा, एजेंसी। इक्वाडोर में अमेरिकी और इक्वाडोरियन सेनाओं ने मिलकर नार्को-आतंकवादियों के खिलाफ सटीक और निर्णायक सैन्य अभियान चलाया। यह जानकारी अमेरिकी साउथर्न कमांड ने साझा की। साउथर्न कमांड के कमांडर जनरल फ्रांसिस एल. डोनोवन के निर्देशन में यह अभियान इक्वाडोरियन सुरक्षा बलों के सहयोग से संपन्न हुआ। अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ के आदेश पर यह कार्रवाई की गई।

जनरल डोनोवन ने कहा 'हम अपने साझेदारों के साथ मिलकर नार्को-आतंकवाद के खिलाफ आगे बढ़ रहे हैं। मैं संयुक्त सेनाओं और इक्वाडोरियन सशस्त्र बलों को इस सफल ऑपरेशन के लिए बधाई देता हूं। यह सहयोग और निर्णायक कार्रवाई पश्चिमी गोलार्ध के लिए रणनीतिक सफलता है, जो नार्को-आतंकवाद को रोकने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'

राष्ट्रपति और सुरक्षा बलों की सराहना

साउथर्न कमांड के वरिष्ठ प्रवक्ता शॉन पार्नेल ने इक्वाडोर के राष्ट्रपति डेनियल नोबोआ और देश की सुरक्षा बलों की भागीदारी की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन ने नार्को-आतंकवादी आपूर्ति केंद्रों को बाधित किया और उनके लॉजिस्टिक नेटवर्क को कमजोर किया। पार्नेल ने आगे कहा इक्वाडोर के अनुरोध पर यह अभियान चलाया गया ताकि हमारे साझा उद्देश्य (नार्को-आतंकवादी नेटवर्क को समाप्त करना) को आगे बढ़ाया जा सके। यह कार्रवाई यह संदेश देती है कि नार्को-आतंकवादी हमारे क्षेत्र में पनाह नहीं पाएंगे। अमेरिका उन देशों का समर्थन करता रहेगा, जो नार्को-आतंकवाद के खिलाफ खड़े हैं। साथ मिलकर हम तस्करी और भ्रष्टाचार नेटवर्क को ध्वस्त करेंगे, संगठनों को जवाबदेह ठहराएंगे और ताकत के जरिए शांति बहाल करेंगे। अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने इक्वाडोर के सहयोगियों को धन्यवाद दिया और कहा कि अमेरिकी साउथर्न कमांड से और अपडेट आने की उम्मीद है।

हताहतों की स्थिति

फॉक्स समाचार की रिपोर्ट के अनुसार, फिलहाल ऑपरेशन में किसी के हताहत होने की जानकारी स्पष्ट नहीं है। यह स्ट्राइक पिछले सप्ताह अमेरिकी और इक्वाडोरियन सेनाओं द्वारा चलाए गए संयुक्त अभियानों का हिस्सा है, जिसमें संदेहित नार्को-आतंकवादियों को निशाना बनाया गया।

'ईरान पर नहीं रूकेंगे हमले': अमेरिका ने अब तक 3000 ठिकानों पर बरपाया कहर, 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' तेज

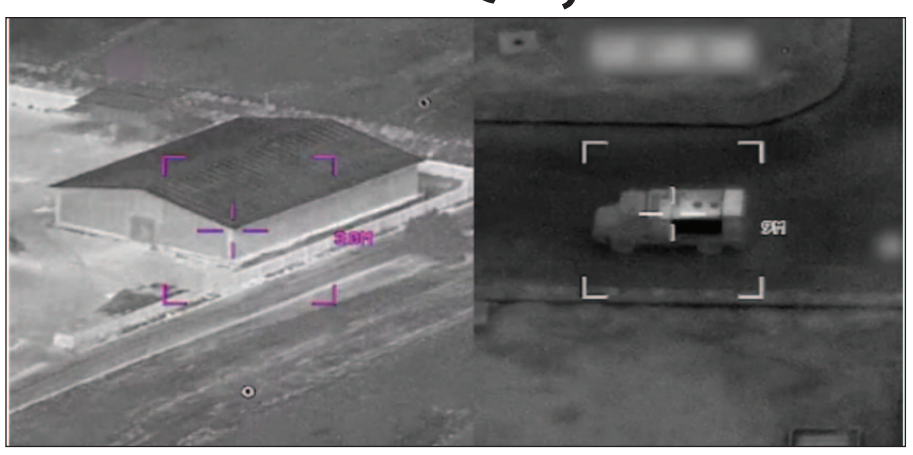

काठमांडू, एजेंसी। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने ईरान के खिलाफ अपने सैन्य अभियान को और तेज कर दिया है। मिलिट्री कमांड ने पुष्टि की है कि पिछले एक हफ्ते में ईरान के अंदर हजारों ठिकानों पर हमले किए गए हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी एक बयान में कमांड ने इस मिशन की जानकारी दी। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा कि ऑपरेशन के पहले हफ्ते में ही 3,000 से ज्यादा ठिकानों को निशाना बनाया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि वे अपनी कार्रवाई धीमी नहीं कर रहे हैं।

ट्रंप ने रखी ये मांग

इस सैन्य वृद्धि के साथ ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को ईरान से बिना शर्त आत्मसमर्पण की मांग की। उन्होंने कहा कि ईरान के आत्मसमर्पण के बिना कोई समझौता नहीं होगा। ट्रंप ने जोर दिया कि अमेरिका और उसके सहयोगी, खासकर इस्राइल, ईरान के नेतृत्व बदलने के बाद ही किसी समझौते पर विचार करेंगे। उन्होंने 'मेक ईरान ग्रेट अगेन' का नारा भी दिया। ट्रंप ने कहा कि आत्मसमर्पण के बाद वे ईरान को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने में मदद करेंगे। ये घटनाक्रम 28 फरवरी को हुए अमेरिका-इस्राइल के संयुक्त सैन्य हमले के बाद आए हैं। इस हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई और अन्य वरिष्ठ नेता मारे गए थे। इसके जवाब में ईरान ने कई अरब देशों में अमेरिकी सैन्य ठिकानों और इस्राइली संपत्तियों पर ड्रोन व मिसाइल हमले किए। इस्राइल ने भी तेहरान और लेबनान में हिजबुल्लाह पर हमले जारी रखे हैं।

अगले नेता के चयन में ट्रंप क्या बोले?

खामेनेई की मौत के बाद, ट्रंप ने ईरान के अगले सर्वोच्च नेता के चयन में व्यक्तिगत रूप से शामिल होने की इच्छा जताई। उन्होंने वेनेजुएला के राजनीतिक घटनाक्रम में अपनी भागीदारी से इसकी तुलना की। ट्रंप ने दिवंगत सर्वोच्च नेता के बेटे मोजतबा खामेनेई के संभावित उत्तराधिकार की आलोचना की। उन्होंने मोजतबा को कमजोर और अस्वीकार्य बताया। ट्रंप ने कहा कि वह ईरान में सद्भाव और शांति लाने वाले नेता को पसंद करेंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि खामेनेई की नीतियों को जारी रखने से अमेरिका के साथ फिर से संघर्ष हो सकता है।

ईरान सरकार ने क्या कहा?

रिपोर्टों में कहा गया है कि 56 वर्षीय मौलवी मोजतबा खामेनेई, जिनके आईआरजीसी से करीबी संबंध हैं, एक प्रमुख दावेदार हैं। हालांकि, ईरानी सरकार ने इन दावों का आधिकारिक तौर पर खंडन किया है। मुंबई में अपने वाणिज्य दूतावास के माध्यम से अधिकारियों ने बताया कि संभावित उम्मीदवारों से संबंधित रिपोर्टों का कोई आधिकारिक स्रोत नहीं है। उन्होंने इन खबरों को आधिकारिक रूप से खारिज कर दिया। एक्सियोस के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति इस बात पर कायम हैं कि वाशिंगटन को ऐसे किसी भी नए ईरानी नेता को स्वीकार नहीं करना चाहिए। जो दिवंगत खामेनेई जैसी नीतियां अपनाएगा।

ईरान की जंग में उतरेगा पाकिस्तान?: आसिम मुनीर और सऊदी रक्षा मंत्री के बीच हुई बड़ी बैठक

दुबई, एजेंसी। अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच सऊदी अरब सीधे निशाने पर है। खाड़ी के इस देश के ऑयल फील्ड और एयरपोर्ट पर लगातार हमले हो रहे हैं। इसी बीच रियाद में पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर और सऊदी रक्षा मंत्री खालिद बिन सलमान की अहम बैठक हुई।

बैठक में ईरान के हालिया हमलों और उन्हें रोकने के उपायों पर चर्चा हुई। सऊदी रक्षा मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि बैठक संयुक्त रणनीतिक रक्षा समझौते के तहत हुई और इस दौरान दोनों पक्षों ने क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता को बनाए रखने पर जोर दिया।

सऊदी अरब के ऑयल फील्ड पर हमले

हाल के दिनों में ईरान ने सऊदी अरब के शायबा ऑयल फील्ड को निशाना बनाया। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि छह ड्रोन को मार गिराया गया, जबकि दो बैलिस्टिक मिसाइलें प्रिंस सुल्तान एयर बेस के पास नष्ट की गईं। यह क्षेत्र यूएई की सीमा के पास स्थित है और पिछले हमलों के बाद अब ईरान सीधे इसमें शामिल हो रहा है।

क्या बढ़ेगी पश्चिम एशिया में जंग?

ईरान और सऊदी अरब के बीच बढ़ते तनाव के बीच पाकिस्तान की कूटनीतिक भूमिका अहम हो गई है। पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री इशाक डार ने संसद में खुलासा करते हुए कहा कि हाल के दिनों में ईरान द्वारा सऊदी अरब पर हमलों में कमी या प्रतिक्रिया न देने के पीछे पाकिस्तान की कूटनीतिक पहल रही है। यह खुलासा पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक स्थिति को और जटिल बना देता है।

पाकिस्तान की कूटनीतिक भूमिका का खुलासा

इशाक डार ने बताया कि पाकिस्तान का सऊदी अरब के साथ एक रणनीतिक रक्षा समझौता है। जब ईरान और सऊदी अरब के बीच तनाव बढ़ा, तो पाकिस्तान ने तत्काल ईरान से संपर्क किया। पाकिस्तान ने ईरान को इस रक्षा समझौते के बारे में आगाह किया और आश्वासन मांगा कि सऊदी अरब की जमीन का इस्तेमाल ईरान के खिलाफ नहीं किया जाएगा। पाकिस्तान ने ईरान को यह आश्वासन भी प्रदान किया। इस कूटनीतिक प्रयास ने तत्काल टकराव को टालने में मदद की।

जंग फैलने की आशंका

अब तक चल रहे संघर्ष में खाड़ी देशों ने सीधे टकराव से खुद को दूर रखा था और अमेरिका ने भी इन देशों की जमीन का इस्तेमाल अपने हमलों के लिए नहीं किया था। हालांकि, अगर ईरान द्वारा सऊदी अरब पर हमले जारी रहते हैं और सऊदी अरब-पाकिस्तान रक्षा समझौता सक्रिय हो जाता है, तो स्थिति पूरी तरह से बदल सकती है। यदि पाकिस्तान सऊदी अरब की ओर से ईरान के खिलाफ किसी भी सैन्य कार्रवाई में शामिल होता है, तो यह संघर्ष केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहेगा। यह सीधे तौर पर दक्षिण एशिया में भी फैल जाएगा, क्योंकि पाकिस्तान और ईरान के बीच एक लंबी सीमा लगती है।

'भारत वो चुनिंदा देश, जो किसी भी पक्ष से बात कर सकता है', वैश्विक तनाव के बीच बोले फिनिश राष्ट्रपति

नई दिल्ली, एजेंसी। फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब ने शनिवार को भारत की जमकर सराहना कीहै। मुंबई में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि भारत दुनिया के उन चुनिंदा देशों में शामिल है, जो वैश्विक विवादों में हर पक्ष से बात कर सकता है। उन्होंने भारत की विदेश नीति को बहुत व्यावहारिक और वास्तविक बताया। स्टब के अनुसार, भारत की यह खूबी उसे अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में एक विशेष स्थान दिलाती है। यह बात उन्होंने बढ़ती भू-राजनीतिक तनावों के बीच कही।

पीएम मोदी से मुलाकात पर क्या बोले राष्ट्रपति स्टब?

राष्ट्रपति स्टब ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी। मुंबई में समाचार एजेंसी एएनआई से बात करते हुए उन्होंने इस मुलाकात का जिक्र किया। स्टब ने कहा, भारत के प्रधानमंत्री के साथ तीन घंटे बिताना मेरे लिए सम्मान और सौभाग्य की बात थी। हमने विश्व भर के संघर्षों, चीन, अमेरिका, रूस और यूरोप के साथ संबंधों के साथ-साथ द्विपक्षीय संबंधों पर भी व्यापक और सार्थक बातचीत की। स्टब ने कहा कि आधुनिक संघर्ष स्थानीय युद्धों से आगे बढ़कर क्षेत्रीय संकट बन गए हैं। उन्होंने कहा स्थिति नाजुक है। स्टब ने क्षेत्र में तनाव कम करने का आह्वान किया। उन्होंने यह भी कहा कि भले ही देश झगड़ों से दूर रहने की कोशिश करें, लेकिन कोई भी इसके ग्लोबल असर से बचा नहीं जा सकता, क्योंकि इससे तेल की कीमतें, व्यापार और समुद्री मार्ग हमेशा प्रभावित होते हैं।

भारत की संतुलित विदेश नीति पर कही ये बात

फिनलैंड के राष्ट्रपति ने भारत की संतुलित विदेश नीति पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह नीति भारत को वैश्विक संघर्षों में कई पक्षों से संबंध बनाए रखने में मदद करती है। स्टब के अनुसार, भारत उन दुर्लभ देशों में से है जो लगभग सभी से बात कर सकता है। इसकी विदेश नीति व्यावहारिक और यथार्थवादी है। भारत के गहरे गठबंधन नहीं हैं, जो इसे काफी खुला बनाता है। उन्होंने कहा कि भारत के रूस, यूक्रेन और अमेरिका के साथ संबंध उसे कूटनीतिक रूप से मजबूत स्थिति में रखते हैं।

रूस-यूक्रेन युद्ध का किया जिक्र

यूक्रेन में चल रहे युद्ध का जिक्र करते हुए स्टब ने कहा कि रूस का आक्रमण रणनीतिक रूप से विफल रहा है। रूस यूक्रेन को रूसी बनाना चाहता था, लेकिन यूक्रेन यूरोपीय बन गया। वह नाटो के विस्तार को रोकना चाहता था, पर फिनलैंड और स्वीडन इसमें शामिल हो गए। रूस यूरोप का सैन्यीकरण कम करना चाहता था, लेकिन अब रक्षा खर्च बढ़ रहा है। ईरान से जुड़े तनावों पर स्टब ने कहा कि हाल के घटनाक्रमों ने क्षेत्र में जोखिम बढ़ा दिए हैं। उन्होंने ईरान के जवाबी हमलों को रणनीतिक गलती बताया।

भारत के भविष्य पर कही ये बात

स्टब ने भारत के भविष्य को लेकर बहुत उम्मीद जताई। उन्होंने कहा कि भारत की आबादी, बढ़ती अर्थव्यवस्था और गौरवशाली इतिहास यह बताते हैं कि आने वाला समय भारत का ही है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता का भी पुरजोर समर्थन किया। उन्होंने कहा कि वैश्विक संस्थाओं को 1945 के बजाय आज की हकीकत के हिसाब से काम करना चाहिए। फिनलैंड के नाटो में शामिल होने पर उन्होंने साफ किया कि यह फैसला रूस के हमले के बाद अपनी सुरक्षा के लिए लिया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि फिनलैंड परमाणु शक्ति नहीं बनेगा और न ही अपनी जमीन पर परमाणु हथियार रखेगा, लेकिन वह नाटो की सुरक्षा रणनीति का हिस्सा जरूर रहेगा।

देश में घरेलू एलपीजी 60 तो कमर्शियल सिलेंडर 115 रुपए हुआ महंगा, आज से प्रभावी होंगी नई दरें

नई दिल्ली, एजेंसी। घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में शनिवार, 7 मार्च से बढ़ोतरी कर दी गई है। देश भर में 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की कीमत में 60 रुपये की वृद्धि हुई है।

इसी तरह, 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत में भी इसी तारीख से 115 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। इसका सीधा असर होटल, रेस्टोरेंट और छोटे व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर पड़ेगा।

सूत्रों के मुताबिक, दिल्ली में 14.2 किलो वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत 853 रुपये से बढ़कर 913 रुपये हो गई है। मुंबई में घरेलू सिलेंडर की नई दर अब 912.50 रुपये है, जो पहले 852.50 रुपये थी। जबकि चेन्नई में यह 868.50 रुपये से बढ़कर 928.50 रुपये हो गई है। ये संशोधित दरें आज से ही प्रभावी हो गई हैं।

व्यवसायों द्वारा उपयोग किए जाने वाले कमर्शियल सिलेंडर की कीमतों में भी भारी बढ़ोतरी हुई है। दिल्ली में 19 किलो वाले कमर्शियल सिलेंडर की कीमत 1768.50 रुपये से बढ़कर 1883 रुपये हो गई है।

मुंबई में यह 1720.50 रुपये से बढ़कर 1835 रुपये हो गई है। कोलकाता में कीमत 1875.50 रुपये से बढ़कर 1990 रुपये और चेन्नई में 1929 रुपये से बढ़कर 2043.50 रुपये हो गई है। इससे पहले, अप्रैल 2025 से घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ था। यह ताजा संशोधन घरेलू उपभोक्ताओं और व्यावसायिक उपयोगकर्ताओं दोनों के लिए एक बड़ी वृद्धि है।

आलिया भट्ट ने लव एंड वॉर पर दिया अपडेट, बोलीं- आभारी हूं कि ये मौका मिला

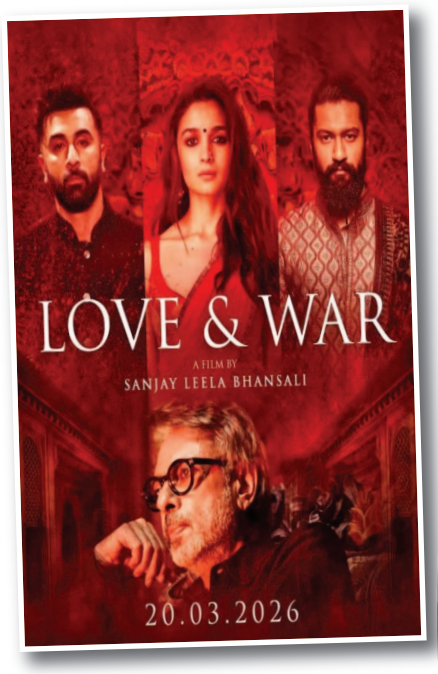

अभिनेत्री आलिया भट्ट अपनी आगामी फिल्म लव एंड वॉर की शूटिंग में व्यस्त चल रही हैं। संजय लीला भंसाली के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में रणबीर कपूर और विक्की कौशल भी मुख्य किरदारों में हैं। हाल ही में, एक कार्यक्रम के दौरान आलिया ने फिल्म को लेकर बात की और उससे जुड़ा एक अपडेट साझा किया। आलिया ने भंसाली संग करने के अनुभव पर भी बात की और इस सफर को जादुई बताते हुए आभार व्यक्त किया।

आलिया ने मिलान फैशन वीक में अपनी उपस्थिति से खूब चर्चा बटोरी। इस दौरान अभिनेत्री ने अपनी वर्तमान की परियोजना के बारे में खुलासा किया। उन्होंने कहा, मैं फिलहाल लव एंड वॉर नाम की एक फिल्म पर काम कर रही हूं। इसका निर्देशन संजय लीला भंसाली कर रहे हैं। शूटिंग लगभग पूरी हो चुकी है। यह एक बेहद जादुई अनुभव रहा है। लव एंड वॉर बॉलीवुड की सबसे चर्चित आगामी परियोजनाओं में से एक है।

भंसाली के साथ दोबारा जुड़ने पर आलिया ने कहा, संजय सर के साथ काम करना जीवन में एक बार मिलने वाला अनुभव है और मैं बहुत आभारी हूं कि मुझे यह मौका मिला। दरअसल, फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी के बाद यह दूसरा मौका है, जब आलिया को दोबारा भंसाली की फिल्म में जुड़ने का मौका मिला है। पहले यह फिल्म 2026 में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इसे 2027 तक के लिए खिसका दिया गया है।

'जिसे लड़ना है, उसे लड़ने दो', पश्चिम एशिया तनाव के बीच दिशा पाटनी की बहन खुशबू का पोस्ट

पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच भारत में भी लोगों के अलग-अलग रिएक्शन देखे जा रहे हैं। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद देश में कई जगह प्रदर्शन हुए। वहीं, तमाम लोगों ने इस पर आलोचना की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लोगों के बीच बहस के बीच दिशा पाटनी की बहन व पूर्व सेनाधिकारी खुशबू पाटनी ने लोगों को सलाह दी है कि इस तनाव को धर्म से जोड़कर न देखें। उन्होंने और क्या कहा?

खुशबू पाटनी भारतीय सेना में मेजर के पद से रिटायर हैं। इस्राइल और ईरान के बीच युद्ध के बीच वे सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए लगातार अपने रिएक्शन दे रही हैं। इस बीच उन्होंने आज शुक्रवार को उन्होंने एक पोस्ट साझा कर लोगों को सलाह दी है कि वे भावनात्मक रूप से इस युद्ध से न जुड़ें। इसकी वजह से आपस में बहस में न उलझें। यह धार्मिक युद्ध नहीं है। और, ईरान हमारा देश नहीं है।

उन्होंने लिखा है, 'जिसे लड़ना है, उसे लड़ने दो। जब तक भारत सीधे इस ईरान, इस्राइल और यूएसए युद्ध में शामिल नहीं है, हमें इसमें भावनात्मक रूप से कूदने की जरूरत नहीं है। यह कोई धार्मिक युद्ध नहीं है। यह पावर, सिक्योरिटी और क्षेत्रीय प्रभाव का खेल है। इसे धर्म की लड़ाई समझना बहुत बड़ी गलती है। असल में यह जियो पॉलिटिक्स, मिलिट्री रणनीति और और वैश्विक गठबंधन का मामला है, जो आम लोगों की समझ से कहीं ज्यादा जटिल होता है'।

'सोशल मीडिया पर इसे धर्म बनाकर बेचा जा रहा है'

खुशबू ने आगे लिखा है, 'सोशल मीडिया पर इसे धर्म बनाकर बेचा जा रहा है, लेकिन देशों के फैसले तेल, शक्ति संतुलन, सुरक्षा और क्षेत्रीय प्रभुत्व से तय होते हैं। ईरान हमारा देश नहीं है। किसी दूसरे देश की राजनीति के लिए अपने ही देशवासियों से लड़ना समझदारी नहीं है। याद रखिए मुश्किल समय में कोई बाहरी देश आपको बचाने नहीं आएगा। अपने देश के साथ खड़े रहिए। भावनात्मक नहीं, समझदार बनिए'। खुशबू ने पोस्ट के साथ कैप्शन लिखा है, 'जब युद्ध होता है, तो दुनिया बंट जाती है। युद्ध ज्यादातर समय पर्सनल होने के बजाय पॉलिटिकल होता है, जब तक कि आप गुलाम न हों। सोचो और काम करो।

पेड्डी का दूसरा गाना रई रई रा रा गाना हुआ रिलीज, राम चरण के हाई-एनर्जी स्वैग ने मचाया धमाल

सुपरस्टार राम चरण अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म पेड्डी को लेकर खूब चर्चा बटोर रहे हैं। इस बीच निर्माताओं ने फिल्म का दूसरा एकल गाना राई राई रा रा जारी कर दिया है। चिकरी चिकिरी की जबरदस्त सफलता के बाद आए इस दूसरे गाने को लोग काफी पसंद कर रहे हैं। एआर रहमान ने अपने संगीत से गाने को जोशीले और लयबद्ध धुन के साथ प्रस्तुत किया है। आवाज गायक नकाश अजीज ने दी है, जबकि बोल रकीब आलम ने लिखे हैं।

रई रई रा रा रिलीज होते ही इंटरनेट पर तूफान ला दिया। पहले गाने चिकिरी चिकिरी के 200 मिलियन से ज्यादा व्यूज के बाद यह हाई-एनर्जी ट्रैक फैन्स को झूमने पर मजबूर कर रहा है।

राम चरण के धमाकेदार डांस मूव्स ने इसे साल का सबसे बड़ा पार्टी एंथम बना दिया। दर्शक राम चरण को चिरुथा स्टाइल में थिरकते देख भूल ही नहीं पा रहे।

निर्देशक बुची बाबू सना ने राई राई रा रा गाने को भव्य पैमाने पर तैयार किया है, जिसमें राम का जोशीला और देहाती डांस लोगों को झूमने पर मजबूर करेगा।

जानी मास्टर ने अपनी रोंगटे खड़े करने वाली कोरियोग्राफी से इस जोश को बढ़ाने का काम किया है। बता दें, वेंकट सतीश किलारू द्वारा भव्य पैमाने पर निर्मित, पेड्डी 30 अप्रैल को कई भाषाओं में रिलीज हो रही है। फिल्म में राम के साथ जाह्नवी कपूर मुख्य किरदार में हैं।

फिल्म पेड्डी वृद्धि सिनेमास और माइथ्री मूवी मेकर्स का प्रोडक्शन है, जो 30 अप्रैल 2026 को रिलीज होगी। रत्नावेलु के कैमरा, नवीन नूलि के एडिटिंग और अविनाश कोल्ला के प्रोडक्शन डिजाइन से सजी यह ग्रैंड एक्शन ड्रामा राम चरण को नए लेवल पर ले जाएगी। दिव्येंदु शर्मा भी अहम रोल में हैं। पहले ग्लिम्प्स में दिखा क्रिकेट शॉट इसी गाने का हिस्सा है। राम चरण-जनह्वी की जोड़ी और रहमान का संगीत इसे ग्लोबल हिट बनाने को तैयार। फैन्स बाकी साउंडट्रैक का इंतजार कर रहे, जो बॉक्स ऑफिस पर धमाल की गारंटी दे रहा।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com